2 गज दूरी
मास्क जरूरी

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

KUMAWAT PRAGATI TRUST
Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

वर्ष-5 | अंक-2 सितम्बर-2021 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

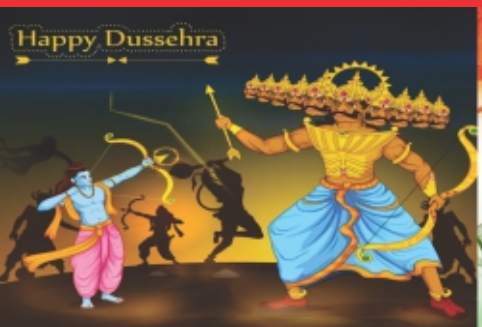

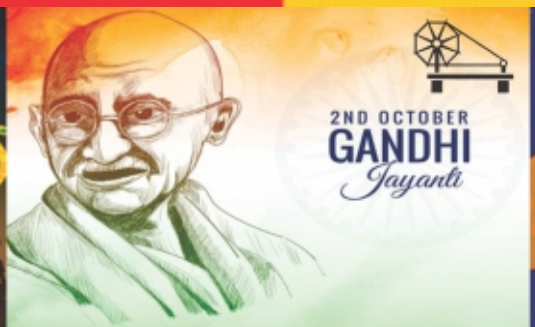

स्व. श्री बृजराज जी आर्य (राहोरिया) के आशीर्वाद से

श्री नरेन्द्र आर्य एवं विरल विरोश आर्य ब्यावर के

नवीन प्रतिष्ठान

विरल पेट्रोलियम

नयारा (एस.आर. पम्प)

कॉलेज रोड, पानी की टंकी के पास, ब्यावर, जिला अजमेर (राजस्थान)

सम्बन्धित फर्म

- विरल बृज लीला गार्डन
- स्काई डांस एकेडमी
- जिम एवं योगा क्लासेज

मो. 8107944493 नरेन्द्र, 9352411106 विरल

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		हेमचन्द खड़गटा	**मो. 9351682036**
		मनोज सिरस्वा	**मो. 9414043127**
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
		जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
चेतन बालोदिया सलाहकार	:	चेतन बालोदिया गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414052736** **मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, चन्द्र प्रकाश अजमेरा 9928088815, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428 एवं खेमचंद खड़गटा 9829140629

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493** **किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

एक समाज या सामाजिक संगठन के सभी अवयवों का एक निश्चित प्रकार्य होता है जो उस संगठन के स्थापित और सामंजस्य को बनाए रखता है। सामाजिक संगठन वह दशा या स्थिति है जिसमें एक समाज में विभिन्न संस्थाएं अपने मान्य तथा पूर्व निश्चित उद्देश्यों व नियमो के अनुसार मिलजुल कर कार्य करती है तथा अपने अपने निर्धारित कार्यों के अनुसार क्रियाशील रहती हैं। इसके सदस्यों के बीच कार्य का बंटवारा होता है जिनके आधार पर हर व्यक्ति अपनी भूमिका का निर्वाह करता हैं इससे सामाजिक व्यवस्था बनी रहती है।

प्रत्येक समाज में सामाजिक संगठन है जो अपने समाज के उत्थान हेतु प्रयासरत रहते हैं साथ ही समाज की कुरीतियों व समस्याओं का निवारण करते हैं। कुमावत समाज में छोटे-मोटे संगठन समाज को योगदान दे रहे हैं, जिनमें अखिल भारतीय स्तर पर भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा व सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा कार्य कर रही थी। भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के लगभग 11 वर्ष से चुनाव न्यायालय में विवादित था, आखिर पक्षकारों में आपसी समझौते व सहमति से चुनाव संपन्न हुए। जनवरी 2020 में नामांकन पत्र भरे गए थे। जिला अध्यक्ष (जयपुर देहात, सवाई माधोपुर, अलवर -भरतपुर, सीकर, नागौर) जिला महामंत्री (अजमेर, सवाई माधोपुर, अलवर, भरतपुर, सीकर, नागौर) निर्विरोध निर्वाचित हुए। इसी प्रकार राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य (टोंक ,सवाई माधोपुर, फुलेरा, चाकसू ,अजमेर महिला, सीकर, झुंझुनू, बीकानेर, नागौर, अलवर, भरतपुर) एवं जोन के कार्यकारिणी सदस्य लगभग 32 निर्विरोध निर्वाचित हुए। शेष रहे करीबन 78 जोन पदाधिकारी, जोन कार्यकारिणी सदस्यों एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों, जिला अध्यक्ष, जिला महामंत्री, जोन पदाधिकारी (कोषाध्यक्ष संगठन व प्रचारमंत्री) आदि पदों हेतु चुनाव 8 अगस्त 2021 से 8 सितंबर 2021 तक संपन्न हुआ। 2-3 पोलिंग स्टेशनों के अलावा अधिकतर चुनाव शांति पूर्वक संपन्न हुए। एक पोलिंग स्टेशन में दोबारा मतदान हुआ। जबकि एक पोलिंग स्टेशन पर आपस में मारपीट, छीना झपटी हुई। पुलिस को बुलाना पड़ा चुनाव भी तीन बार स्थगित होकर हो पाए। समाज के कुछ असामाजिक लोगों द्वारा की गई इस प्रकार की घटनाओं के कारण लोगो में कुमावत समाज की छवि खराब हुई। इस पोलिंग स्टेशन पर मैं स्वयं उपस्थित था, मुझे यह सब देख कर बहुत दु:ख हुआ। इस प्रकार की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण है तथा नहीं होनी चाहिए।

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा उत्तरी पूर्वी जोन राजस्थान के अंतर्गत जयपुर शहर व देहात क्षेत्र के अलावा करीबन 9-10 जिले आते हैं इसमें कार्यकारिणी व पदाधिकारियों की संख्या 110 है।

जयपुर, कुमावत बाहुल्य क्षेत्र है जिसमें लाल कोठी, झोटवाड़ा, सोडाला, सांगानेर, बापू नगर, गंगापोल, नाहरी का नाका, बनीपार्क, ढेर के बालाजी, झोटवाड़ा, नींदड़ आदि हैं इसमें 6972 मतदाता है इसी प्रकार जयपुर देहात में भी 2844 मतदाता है तथा अजमेर जिले में 1392 मतदाता है। महासभा के उत्तरी-पूर्वी जोन में लगभग 25000 मतदाता है जिसमें राजस्थान का 1/3 क्षेत्र आता हैं। इतने बड़े क्षेत्र में इतने कम मतदाता होना सोचनीय है। मेरी राय में नव निर्वाचित महासभा की कार्यकारिणी को सदस्य बनाने के लिए सरल नीति अपनानी चाहिए, जिससे ऑनलाइन व बिना किसी शुल्क के अधिक से अधिक सदस्य बने। आगे चुनाव न्यायिक विवाद में नहीं पड़े। चुनाव पोलिंग स्टेशनों को भामाशाहों द्वारा स्पॉन्सर करा सकते हैं। यदि हम सब मिलकर एक दूसरे के विचारों को महत्व देते हुए बिना किसी भेदभाव व मतभेद के समाज सेवा में लग जाए तो हमारा समाज ऊंचाई तक जा सकता है। सभी को इस पुण्य काम में जोड़ना चाहिए, कोई बंधु अपने आप को समाज से अलग ना समझे। एक परिवार, एक समाज और एक राष्ट्र की विचारधारा को अपनाएं।

धन्यवाद और आभार।

- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.com पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
विज्ञापन :	4
कुमावत प्रतिभा : श्री अजीत वर्मा (अनावड़िया)	5
कुमावत समाज के युवा बने सीए हिमांशु कुमावत, योगेश कुमावत, विनोद कुमार, संजय कुमावत	5
डॉ. कामिनी वर्मा ने दोहरी पीएचडी की	6
जूही कुमावत का पीएचडी एंट्रेंस परीक्षा में प्रथम स्थान	6
जादूगर आंचल को दोहरा सम्मान	6
हिमांक व खेमराज कुमावत ने जीता सिल्वर मेडल	7
आश कुमावत ने जीता रजत पदक	7
अर्मिला कुमावत एवं मनोज कुमावत ने जीते पदक	7
गौरव कुमावत का सीनियर वर्क असिस्टेंट के पदपर चयन	7
कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर के चुनाव	7
121 दीपकों से महाआरती का आयोजन	8
कुमावत पिता-पुत्र ने राजकीय विद्यालय की छवि बदली	8
श्री राजस्थान कुमावत क्षत्रिय समाज इंदौर के चुनाव	8
दो कुमावत इंजीनियर भाइयों ने बंकरनुमा कैफे बनाया	8
भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) द.प. जोन राजस्थान की बैठक	9
जयसिंह कुमावत राष्ठीय स्वास्थ्य स्वयं सेवक अभियान के राजापार्क मंडल संयोजक हेल्थ वालंटियर नियुक्त	9
विभिन्न संस्थानों में नई भर्तियों हेतु आवेदन आमंत्रित	10
दो अक्टूबर, दो विभूतियां	11
प्राण वायु के लिए जरूरी है पौधारोपण : टांक	11
नवरात्री के नौ दिनों में होती है माँ के नौ रूपों की पूजा	12
उदयपुर क्षत्रिय कुमावत समाज विधिक सेव समिति गठित	13
1700 किलोमीटर का सफर तय कर सरहद पर ले पहुंचे बनों का प्यार	13
पितृ पक्ष और भारतीय परम्परा : पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता का पर्व	14
शिक्षिका दुर्गेश नंदिनी ने सेवानिवृत्ति पर स्कूल में सरस्वती मूर्ति स्थापना कराई	15
चाय बेचने वाले की बेटी ट्विंकल ने नेशनल गेम्स में गोल्ड मेडल जीता	15
डूंगरराम गेदर के 55वें जन्मदिन पर रक्तदान	15
12वीं व 10वीं के प्रतिभावान छात्र-छात्राएं	16
पंचायत आदि चुनाव में विजयी उम्मीदवार	16
भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा राजस्थान के चुनाव में विजीय प्रत्याशी	17
स्मृति शेष : स्व. श्री भौंरी लाल वर्मा (मास्टर जी)	18
देव और दानवों के युद्ध के दौरान देव पत्नियों ने भी किया था करवा चौथ का व्रत	20
मातृ एवं नारी शक्ति समाज गौरव सम्मान समारोह सम्पन्न	21
अखण्ड कुमावत नारी युवा शक्ति संस्था के चुनाव	21
वैवाहिक संबंधों में बिखराव	22
विशिष्ठ संरक्षक	24
श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
'कुमावत इंडिया' पत्रिकानहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	26
108 श्री हनुमत चरित्र कथा आयोजन	27
मनोज कुमावत को पीएचडी की उपाधि	27
कविता कुमावत को ब्रोंज मेडल	27
डीपीएस तबीजी में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस	28
मुकेश कुमावत राज सम्मान ट्रॉफी से सम्मानित	28
बधाई विज्ञापन : हिमांशु कुमावत	28
श्रद्धांजलि विज्ञापन	29
वधाई विज्ञापन	30

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) उत्तरी पूर्वी जोन राज. के चुनाव में

राजेश धुंधारिया

जिलाध्यक्ष, जयपुर शहर एवं

छोटूराम बड़ीवाल

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, सोडाला से

विजय होने पर

हार्दिक वधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

टीम चेतन धुंधारिया

चेतन धुंधारिया 9829017584, 8209687840

श्री अजीत वर्मा (अनावडिया)

अजीत वर्मा का जन्म 17 दिसम्बर 1955 को वनस्थली, राजस्थान में स्व. श्री ग्यारसी लाल वर्मा एवम स्व श्रीमति नारायनी देवी के यहाँ हुआ। आपके पिता बड़ौदा (गुजरात) मे महाराजा सयाजीराव गायकवाड विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ फाइन आर्ट्स Mural विभाग में प्रोफेसर और Head of the Department थे ।

आपका विवाह स्व. श्री किस्तूर चंद वर्मा (भदानिया) वास्तुविद एवम स्व. श्रीमती छुट्टन देवी की पुत्री श्रीमती ललिता के साथ सन् 1984 जयपुर में संपन्न हुआ। आप के दो पुत्र डा. श्री रवि वर्मा जो की इएसआई हॉस्पिटल में नियुक्त है , श्री अजय वर्मा का कारोबार Studio11 आर्ट गैलरी के साथ कर रहे हैं एवम निवास बी -503-504 ग्रीनफील्ड 3, बडोदरा है।

आपने सन् 1980 में एम.एस. महाविद्यालय से पेंटिंग में डिप्लोमा प्राप्त किया। आप ने पद्मा विभूषण प्रोफेसर के . जी . सुब्रमण्यम एवं पिताश्री स्व श्री ग्यारसी लाल वर्मा के सानिधय में शिक्षा प्राप्त की और अपनी पारंपारिक कला को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

आपने सन् 2004 के दौरान कमर्शियल कला और स्क्रीन प्रिंटिंग में खूब नाम कमाया। सन् 2004 से आपने शुद्ध चित्रकला की सेवा करने का निश्चय किया और काम में लग गए । और पहली एग्जीबिशन 2012 में बड़ौदा के महाराजा की 'आकृति आर्ट गैलरी' में लगाई।

आप अब तक देश में 41 समूह प्रदर्शनी में और विदेश में 10 समूह प्रदर्शनी में हिस्सा ले चुके हैं, जिसमें कोलंबिया में 4, न्यूयॉर्क में 1, नॉर्वे में 4, अर्जेंटीना में 1 समूह प्रदर्शनी में सम्मिलित हैं। आप 11 एकल प्रदर्शनियां भारत में कर चुके हैं।

शेष पृष्ठ 19 पर ...

कुमावत समाज के युवा बने सीए

हिमांशु कुमावत पुत्र अशोक कुमावत (तुनगरिया) निवासी किसान मार्ग, टोंक रोड़ जयपुर ने सीए परीक्षा में सफलता पाई है। हिमांशु के सीए बनने पर उनके घर बधाई देने वालों का तांता लग गया। परिवारजनों ने मिठाई बांटकर इस कामयाबी का जश्न मनाया। हिमांशु के पिता अशोक तुनगरिया मुख्य निर्वाचन अधिकारी, शासन सचिवालय में निजी सहायक के पद पर कार्यरत हैं। हिमांशु के परदादा गोविन्द रामजी मिस्त्री के नाम से जाने जाते हैं। गोविन्द राम जी एक उम्दा वास्तुकार, ज्योतिष के ज्ञाता होने के साथ-साथ भवन निर्माण कार्य में भी समाज में जाने व पहचाने जाते थे। समाज में उनको दोपहरिया के नाम से भी जाना जाता है। हिमांशु के परिवार में एक छोटी बहन सोनम कुमावत एम.कॉम., एमबीए है व उनकी बुआ शारदा कुमावत भी फर्स्ट ग्रेड लेक्चरर है। हिमांशु कुमावत ने सीए परीक्षा पास कर समाज का नाम रोशन किया है। हिमांशु ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरूजनों को दिया है। **कुमावत इंडिया** परिवार की ओर से आपको बधाई व शुभकामनाएँ कुमावत इंडिया परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

योगेश कुमावत पुत्र श्री भगवान सहाय अडावनिया ग्राम पंचायत कुली, दांतारामगढ़ को CA बनने पर कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

ग्राम अकोड़ा चौड, भट्टों की गली, तहसील आमेर के निवासी **विनोद कुमार कुमावत (मारोठिया)** ने सीए परीक्षा उत्तीर्ण की। कुमावत इंडिया पत्रिका परिवार की ओर से बधाई।

संजय कुमावत पुत्र श्री पूरणम, वेद की ढाणी रानोली (मजदूर के बेटे) का सी.ए. बनने पर '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

मनोज कुमावत को भाजपा युवा मोर्चा अजमेर देहात के उपाध्यक्ष बनाये जाने पर '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

डॉ कामिनी वर्मा ने दोहरी PHD की

डॉ कामिनी वर्मा पत्नी श्री शैलेन्द्र कुमावत निवासी 10/149, विवेकानंद नगर, कोटा ने वर्ष 2010 में प्राणिशास्त्र विषय में PHD की थी। डॉ कामिनी वर्मा ने अपनी दूसरी PHD वर्ष 2021 में माध्यमिक स्तर के **'शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता पर उनकी सांवेगिक बुद्धि और शिक्षण अभिक्षमता के प्रभाव'** विषय पर डॉ के के शर्मा, पूर्व डीन कोटा विश्व विद्यालय के निर्देशन में की है।

आपके पिता स्व. श्री सालिगराम वर्मा (तांगडा) निवासी जयपुर तथा श्वसुर स्व. श्री सुआ लाल कुमावत (लोठ्या) निवासी कोटा थे।

दोहरी PHD करके डॉ कामिनी वर्मा ने कुमावत समाज को गौरान्वित किया है। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से डॉ कामिनी वर्मा को हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामना।

जूही कुमावत का PHD एंट्रेंस (योग) परीक्षा में प्रथम स्थान

जूही कुमावत ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान की 'PHD एंट्रेंस (योग) परीक्षा' की मेरिट लिस्ट में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जूही कुमावत ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय से योग विषय में M.Sc की थी। जूही ने गत वर्ष UGC- NET JRF में देशभर में 20वाँ स्थान प्राप्त किया था। जूही ने योग के साथ **'नेचुरोपैथी तथा डाइट एंड न्यूट्रिशन'** में भी अपनी पढ़ाई पूर्ण कर ली हैं। आपके पिता श्री अशोक कुमार एक अनुभवी एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ है। उन्होंने गंभीर बीमारियों से ग्रस्त अनेक रोगियों का इलाज एक्यूप्रेशर विधि से किया है।

वर्तमान में जूही, जैन विश्व भारती से योग विषय में PHD कर रही है, साथ ही एक योग थेरेपिस्ट और योग रिसर्चर के रूप में कार्यरत है। बहुमुखी प्रतिभा की धनी **जूही कुमावत** ने पीएचडी एंट्रेंस परीक्षा की मेरिट में **प्रथम स्थान** अर्जित करके कुमावत समाज को गौरान्वित किया है। इन्हें रमेश गैदर, अध्यक्ष ने उनके निवास पर जाकर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बधाई दी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

जादूगर आंचल को दोहरा सम्मान

1. 'यूथ आईकॉन अवार्ड'

28 अगस्त 2021 को जयपुर में इंटरनेशनल यूथ आईकॉन अवार्ड सेरेमनी का आयोजन हुआ। इस समारोह में उदयपुर निवासी अंतर्राष्ट्रीय जादूगर आंचल को जादू के क्षेत्र में उसकी असाधारण उपलब्धियों के लिए **'यूथ आईकॉन अवार्ड'** नवाजा गया। इस समारोह में पूरे देश से कला, संस्कृति, शिक्षा, समाजसेवा, खेल, प्रशासनिक सेवा, उद्योग, व्यापार, फैशन और संगीत के क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य करने वाले युवा और युवाओं के लिए कार्य करने वाली हस्तियों को स्मृति चिन्ह एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। समारोह में अतिथि के रूप में आईपीएस संदीप सिंह चौहान, पद्मश्री गुलाबो सपेरा, लन्दन से डॉ. परिन सोमानी, बी. एस. रावत, कृषकांत आखोरी सहित अनेक विशिष्ट महानुभाव उपस्थित रहे।

2. राष्ट्र शिरोमणि सम्मान

एक अन्य समारोह ड्रीम वर्ल्ड प्रोडक्शन द्वारा 28 अगस्त 2021 को ही योजना भवन, जयपुर में आयोजित हुआ जिसमें विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन करने वाली युवा जादूगर आंचल को उसकी असाधारण उपलब्धियों के लिए **'राष्ट्र शिरोमणि सम्मान-2021'** नवाजा गया। इस कार्यक्रम में गायिका रमा पांडेय, प्रख्यात गायक रुप कुमार राठौर, जानी-मानी फिल्मकार एवं फिल्म सेंसर बोर्ड की सदस्या श्रीमती अनुराधा सिंह, मेवाड़ युनिवर्सिटी के वाइस चांसलर व पूर्व आईपीएस अधिकारी श्री आनंदवर्धन शुक्ला सहित कुल 10 विभूतियों को यह सम्मान दिया गया।कार्यक्रम में ड्रीम वर्ल्ड प्रोडक्शन के मुख्य संरक्षक डॉ. एच. सी. गणेशिया, संरक्षक श्री मुकेश भारद्वाज, अध्यक्ष श्रीमती गिरिजा शर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती समृद्धि शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती पूजा रानावत, तथा महासचिव श्री वेद खंडेलवाल उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सेलिब्रिटी एंकर और डबल वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर श्री अंकित खंडेलवाल द्वारा किया गया।

ऑल इंडिया रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप

हिमांक व खेमजराज कुमावत ने जीता सिल्वर मेडल

12 सितंबर 2021 को बिहार की राजधानी पटना में आयोजित हुई 13 वीं ऑल इंडिया रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में काचरोदा, फुलेरा निवासी हिमांक कुमावत पुत्र श्री खेमराज कुमावत ने अंडर 12 में सिल्वर मेडल जीतकर फुलेरा क्षेत्र सहित कुमावत समाज का नाम रोशन किया। खेल प्रतिभा हिमांक ने बताया कि यदि कोई भी अपने आत्मविश्वास को मजबूत कर लक्ष्य निर्धारित करते हुए कोई भी काम करें तो सफलता जरूर मिलती है। आगामी प्रतियोगिता गुड़गांव दिल्ली में होगी इसके लिए हिमांक ने अपना लक्ष्य निर्धारित किया है कि गोल्ड मेडल हासिल करके रहूंगा। सिल्वर मेडल जीतकर रेल नगरी फुलेरा में पहुंचने पर फुलेरा विधायक श्री निर्मल कुमावत व काचरोदा सरपंच श्रीमती पुष्पा देवी ने हिमांक को माला पहनाकर व साफा बंधवाकर स्वागत किया।

- मुकेश कुमावत बोराज, जयपुर

आशा कुमावत ने जीता रजत पदक

महेंद्रा सेज के आयन स्पोर्ट्स एकेडमी में ब्रेंच प्रेस डिस्टीन के आयोजन में कुमावत समाज काचरोदा, फुलेरा की **आशा कुमावत** ने सिल्वर मेडल जीत कर कुमावत समाज को गौरान्वित किया है।

इनके कोच पवन कुमावत, पति गिरिराज कुमावत तथा माता-पिता ने मैडल जीतने पर बधाई दी है। मैडल जीतने के दिन आशा की मां का जन्मदिन था। आशा ने सिल्वर मेडल के साथ उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से भी आशा कुमावत को रजत पदक जीत कर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने पर बधाई। आपसे समाज की युवतियों को प्रेरणा मिलेगी।

यूथ गेम्स नेशनल चेम्पियनशिप, जयपुर

उर्मिला कुमावत एवं मनोज कुमावत ने जीते पदक

हाल ही में जयपुर में सम्पन्न 'यूथ गेम्स नेशनल चेम्पियनशिप' में रामपुरा, थोई की छात्रा **उर्मिला कुमावत** ने कबड्डी में गोल्ड मैडल जीता। उर्मिला अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कबड्डी व कराटे प्रतियोगिताओं में मैडल जीत चुकी है। आपने 2020 में आगरा में सम्पन्न ओपन प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल जीता है एवं स्कूल स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लिया है। वही इसी गांव के **मनोज कुमावत** ने भी 3 किमी दौड़ को 9 मिनिट 40 सेकंड में पूर्ण कर सिल्वर मेडल जीता। विजेता खिलाडियो को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बधाई।

गौरव कुमावत का सीनियर वर्क असिस्टेंट के पद पर चयन

गौरव कुमावत पुत्र श्री महेश कुमावत निवासी आदर्श बाजार, गली नं. 21, टोंक फाटक, जयपुर का मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलोजी (MNIT), जयपुर का सीनियर वर्क असिस्टेंट (Electronics and Communication) के पद पर चयन होने पर कुमावत इंडिया परिवार की ओर से हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ।

कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर के चुनाव घोषित

कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। 22 सितम्बर, 2021 सायं 6 बजे अस्थाई मतदाता सूची का प्रकाशन (इस पर आपत्तियों का आमंत्रण एवं निराकरण 24 सितम्बर, 2021 सायं 6-7 बजे) स्थाई मतदाता सूची प्रकाशन 25 सितम्बर, 2021 सायं 7 बजे, नामांकन पत्र भरना 26-27 सितम्बर, 2021 सायं 6-8 बजे, नाम वापसी 29-30 सितम्बर, 2021 सायं 6-8 बजे, प्रत्याशियों की अंतिम सूची का प्रकाशन 30 सितम्बर, 2021 रात्रि 9 बजे होगा। चुनाव 17 अक्टूबर, 2021 यदि आवश्यक हुआ नितिन बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय शिव मंदिर के पास बरकत नगर जयपुर पर प्रात: 11 बजे से सायं 7 बजे तक होगा।

इसमें अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष (महिला) मंत्री, उपमंत्री, कोषाध्यक्ष, संगठन मंत्री, प्रचार मंत्री, सांस्कृतिक मंत्री एवं 7 कार्यकारिणी सदस्य (2 पद महिला के आरक्षित) पर चुनाव होगा। मतदान हेतु मूल पहचान पत्र लाना होगा। चुनाव अधिकारी श्री रामगोपाल नीमीवाल एवं सहा. चुनाव अधिकारी श्री रामधन देवतवाल होंगे।

121 दीपकों से महाआरती का आयोजन

बाबा रामदेव मंदिर, बरकत नगर, जयपुर में भाद्रपद सुदी दशमी पर स्थानीय निवासी बाबूलाल गैदर, राकेश कुमावत, एडवोकेट राजस्थान उच्च न्यायालय व जयसिंह गुडीवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर द्वारा 121 दीपकों के साथ महाआरती का आयोजन करवाया गया। बाबूलाल गैदर द्वारा भादवा माह में बाबा के दरबार में एक माह तक अखण्ड ज्योत प्रज्वलित की गई।

राकेश कुमावत ने बताया कि ने बताया कि रामदेवजी राजस्थान के लोकदेवता है। रामदेवजी 33 वर्ष तक धरती पर रहे इस दौरान धर्म और नैतिकता के द्वारा प्रेम, सदाचार, मानवसेवा, अछूतोद्धार एवं धार्मिक भेदभाव नहीं रखने के उपदेश देकर लोगों को शिक्षित व जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय पार्षद राजेश बालोदिया, अमर सिंह कुमावत, पूरण गैदर, आनंद गैदर, राजकुमार कुमावत, दिनेश गैदर, सीताराम गैदर, लालचंद कुमावत, विजय कारगवाल, कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर के बाबूलाल ब्याड़वाल अध्यक्ष, जयसिंह गुडीवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रामप्रकाश मारवाल मंत्री, ओमप्रकाश नेहरा उप मंत्री, ईश्वर लोठ्या प्रचार मंत्री, विनय देवतवाल, रेणु मारवाल कार्यकारिणी सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

कुमावत पिता-पुत्र ने राजकीय विद्यालय की छवि बदली

छगनलाल कुमावत ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजपुरा ने विद्यालय के पांच कमरों के आगे 4 लाख रुपए की लागत से एक बरामदा बनवाकर स्कूल की छवि बदल दी। उनके पुत्र **रामचन्द्र** ने स्वयं के खर्चे से विद्यालय परिसर में 350 पौधे लगाए तथा पानी की व्यवस्था और नियमित देखभाल स्वयं के खर्चे से कर रहे हैं। यदि कोई पौधा नष्ट हो जाता है तो उसकी जगह नया पौधा लगाते हैं। स्कूल के प्रति पिता-पुत्र की समर्पण भावना का ग्रामवासियों ने सराहना की है तथा इन दोनों को साफा बांधकर व प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया है।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका इन पिता-पुत्र के द्वारा किए गए प्रेरणादायक कार्य की प्रशंसा करती है।

दो कुमावत इंजीनियर भाइयों ने बंकरनुमा कैफे बनाया- डीजीपी ने किया सम्मानित

उगारियावास के दो कुमावत इंजीनियर भाइयों मनोज किरोड़ीवाल व दीपक किरोड़ीवाल ने पुलिस लाईन, जयपुर में जमीन के 5 फुट नीचे बंकरनुमा कैफे का निर्माण किया है, इसकी बेस्ट डिजाइन के लिए पुलिस महानिदेशक एम एल लाठर ने सराहा व उन्हें सम्मानित किया। इन अवसर पर पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव व अन्य उच्च पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे।

मनोज व दीपक किरोड़ीवाल की इस उपलब्धि पर दोनों इंजीनियर भाइयों को **कुमावत इंडिया** पत्रिका की ओर से बधाई।

डूंगर राम गेदर का जन जागृति अभियान

आल इंडिया बैकवर्ड क्लासेज़ फैडरेशन एवं सेवा संस्थान राजस्थान के तत्वाधान में पाली में जन जागृति अभियान के तहत मीटिंग का आयोजन किया गया।

डूंगर राम गेदर के साथ ऑल इंडिया बैकवर्ड क्लासेज फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष श्री छोटूराम कुमावत, श्री राधेश्याम खाटूवाल, श्री शंकर लाल उजीवाल थे।

श्री राजस्थान कुमावत क्षत्रिय समाज, इंदौर के चुनाव

श्री राजस्थान कुमावत क्षत्रिय समाज, इंदौर के चुनाव चुनाव अधिकारी श्री सुनील कुमार सीए द्वारा कराया गया। सभी समाजजनों की इच्छा अनुरूप समाजसेवी श्री रामचन्द्र भोरोदिया (बाबूलाल वर्मा) को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। उपाध्यक्ष श्रीमती सुशीला देवी कुमावत एवं राधेश्याम दम्बीवाल, सचिव प्रहलाद दम्बीवाल, सह सचिव मनोज कुमावत, कोषाध्यक्ष कुन्दनमल जलिन्द्रा को निर्वाचित किया गया। संरक्षक दिलीप सिंह वर्मा को बनाया गया। सर्वश्री सत्यनारायण कुदाल, सिताराम भोरोदिया, बाबूलाल छिछोलिया, रामपाल घोड़ेला और ओमप्रकाश हरसहाय धामोनिया को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। शेष कार्यकारिणी पूर्ववत रखी गई। इसके पश्चात उपस्थित गणमान्य समाजजनों द्वारा नए अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों का शॉल ओढ़ाकर और श्रीफल देकर स्वागत किया गया। श्री बाबूलाल जी वर्मा के नेतृत्व में बनी नई कार्यकारिणी को **कुमावत इंडिया** पत्रिका की ओर से बधाई।

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि), द.प.जोन राजस्थान की बैठक

दिनांक 05-09-2021 प्रात: 11.00 बजे होटल योइस, उदयपुर के मीटिंग हॉल में भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा(रजि), द.प.जोन राजस्थान की सम्पूर्ण जोन की बैठक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (महिला) श्रीमती सरिता जी टाँक की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में निम्न मुख्य अतिथि थे:-

श्री युवराज सिंह नाहर (अध्यक्ष, जिला महासभा,उदयपुर), श्री दलपत जी बातरा (जोन संगठन मंत्री), श्री चंदू जी चश्मेवाला, (जोन उपमंत्री), श्री मदन सिंह बाबरवाल, (पाषर्द, उदयपुर), श्री सत्यनारायण जी कुमावत,(पार्षद,भीलवाड़ा), श्री भवर लाल देवाल (पूर्व सरपंच, रायपुर,भीलवाड़ा), श्री योगेश चोरमा, (अध्यक्ष, विकास संस्थान) एवं सभी जिलों के राष्ट्रीय, प्रांतीय, जिला पदाधिकारियों एव प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया।

सर्व प्रथम बैठक संयोजक एव प्रांतीय महामंत्री श्री दयाशंकर जी रावड़िया ने आज बैठक अध्यक्षा, मुख्य अथितियों, सभी पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों को उपरना ओढ़ाकर स्वागत करते हुए परिचय कराया। समाज एकता व समाज हित में सभी के सुझाव और विचार आमंत्रित किये गये।

तत्पश्चात निम्नानुसार विचार और सुझाव रखे गए:-

श्री दयाशंकर जी रावडिया ने आग्रह किया कि हम सब अपने-अपने क्षेत्र में सदस्यता अभियान शीघ्र प्रारम्भ कर सदस्यता बढ़ावे और सभी को एक सूत्र में बांधकर समाज हित के कार्यो को हाथ मे लेवे।

श्री युधिष्ठिर कुमावत, राष्ट्रीय सदस्य ने अपने उद्‌बोदन में सभी का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि समाज सेवा किसी भी रूप में की जा सकती है इसके लिए सर्वप्रथम हमें अपनी कार्यशैली को स्वच्छ और सुदृढ बनावे एवं सुझाव साझा करें साथ ही गांव गांव तथा ढाणी-ढाणी सदस्यता बढ़ावे।

श्री युवराज सिंह नाहर, अध्यक्ष, जिला महासभा ने सभी अथितियों/पदाधिकरियों से महासभा भवन के द्वितीय चरण के निर्माण कार्य मे अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग करने की अपील की।

अन्य गणमान्य प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे।

मंच का संचालन **श्री दयाशंकर रावड़िया** ने किया एवं सभी पदाधिकारियो द्वारा दिये गए सुझावों पर विचार विमर्श कर क्रियान्वित करने का आश्वासन दिया।

बैठक के अंत में अध्यक्षा श्रीमति सरिता टाँक ने पधारे सभी अथितियों का आभार व्यक्त किया तथा बैठक संयोजक ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अथितियों व समाजजनों को भोजन कराया।

-वीएल मंडावरा, मंत्री(प्रशासनिक), नगर महासभा,उदयपुर

जयसिंह कुमावत राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्वयंसेवक अभियान के राजापार्क मंडल संयोजक हेल्थ वालंटियर नियुक्त

कोरोना की संभावित तीसरी को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपने स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। संभावित तीसरी लहर में बच्चों के अधिक संक्रमित होने की आशंका को देखते हुए मंडल/वार्ड स्तर पर स्वास्थ्य स्वयंसेवकों को तैयार कर उनकी नियुक्ति कर रही है। इसी के तहत जयसिंह कुमावत (गुडीवाल) को 'राजापार्क मंडल संयोजक हेल्थ वालंटियर' नियुक्त किया गया है। स्वास्थ्य स्वयंसेवक कोरोना से पीडित लोगों व स्वास्थ्य विभाग के बीच सेतु का काम कर कोरोना संक्रमित मरीजों की मदद करेंगे।

कोरोना की दोनों लहरों के समय देश में हाहाकार मच गया था। ऐसे समय में चिकित्सा व्यवस्था तो काम में आई ही, मगर समाजसेवियों का भी बहुत बड़ा योगदान रहा था। उन्होंने घरों से बाहर निकलकर सुरक्षा की कमान संभाली थी। ऐसे ही कोरोना वारियर्स जयसिंह कुमावत (गुडीवाल) ने हमेशा सेवा कार्यों में अपनी महती भूमिका निभाते हुए कोरोना काल में भी अपनी जान की परवाह न करते हुए टीम चेतन धुंधारिया के साथ कंधे से कंधे मिलाकर जयपुर के समस्त पुलिस थानों, पुलिस बेरिकेट्स, पुलिस की गुमटियाँ, एटीएम, चौराहे व सार्वजनिक स्थानों आदि को सेनेटाइज करने के साथ, जरूरतमंदों तक खाद्य सामग्री, सूखा राशन, सेनेटाइजर, रोग प्रतिरोधक दवाईयाँ, मास्क का वितरण कर अपनी जिम्मेदारी निभाई थी। हाल ही में कुमावत को मालवीय नगर वार्ड 141 से भारतीय जनता पार्टी का अध्यक्ष मनोनीत किया गया था। पार्टी ने एक बार पुन: कुमावत पर विश्वास जताते हुए कुमावत की कार्यकुशलता, सादगी और पार्टी के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्वयंसेवक अभियान के तहत 'राजापार्क मंडल संयोजक हेल्थ वालंटियर' की जिम्मेदारी सौंपी है। '**कुमावत इंडिया**' परिवार की ओर से इन्हें बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ।

सूचना

'**कुमावत इंडिया**' का आगामी अंक **दीपावली विशेषांक** के रूप में प्रकाशित किया जाना प्रस्तावित है। इस सम्बन्ध में समाजजनों से निवेदन है कि लेख, विज्ञापन तथा लेखन सामग्री भिजवाने का कष्ट करें।

कुमावत इंडिया की वेबसाइट www.kumawatindiapatrika.com पर पिछले अंकों की पत्रिकाएं एवं अन्य उपयोगी सूचनाएं उपलब्ध हैं। पाठकगण इसका अवलोकन वहां से भी कर सकते हैं।

वेबसाइट पर न्यूनतम शुल्क में विज्ञापन दिए जाने हेतु आप अध्यक्ष से व्हाट्सएप नं. 9414554322 पर सम्पर्क कर सकते हैं। **- संपादक**

विभिन्न संस्थानों में नई भर्तियों हेतु आवेदन आमंत्रित

संकलनकर्ता मनीष कुमावत, सांगानेर

क्र. सं.	विभाग का नाम	पद का नाम	पदों की संख्या	वेतनमान/ लेवल	अधिकतम आयु	योग्यता	अंतिम तिथि	वेबसाईट का पता	अन्य
1	वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद् पूने, भारत सरकार	कनिष्ठ सचिवालय सहायक	16	लेवल –2	30	12वीं	30 सितंबर 2021	http://recruit.ncl.res.in	ऑनलाइन आवेदन के साथ फार्म भेजे
2	वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद् पूने, भारत सरकार	कनिष्ठ आशुलिपिक	5	लेवल –4	30	12वीं	30 सितंबर 2021	http://recruit.ncl.res.in	ऑनलाइन आवेदन के साथ फार्म भेजे
3	नेशलन इलेक्ट्रीक पावर कॉरपोरेशन	जूनियर इंजिनियर (इलेक्ट्रीकल)	34	लेवल–6	30	संबंधित टेड में डिप्लोमा	30 सितंबर 2021	https://cdn.digialm.com/ /EForms/configuredHtml/ 1258/72639/Instruction.html	केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य
4	नेशलन इलेक्ट्रीक पावर कॉरपोरेशन	जूनियर इंजिनियर (मेकेनिकल)	31	लेवल–6	30	संबंधित टेड में डिप्लोमा	30 सितंबर 2021	https://cdn.digialm.com// EForms/configuredHtml/ 1258/72639/Instruction.html	केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य
5	राष्ट्रीय भूभोतनिक अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद, भारत सरकार	कनिष्ठ सचिवालय सहायक	6	लेवल –2	30	12वीं	15 अक्टूबर 2021	http://www.ngri.org.in	केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य
6	राष्ट्रीय भूभोतनिक अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद, भारत सरकार	कनिष्ठ आशुलिपिक	1	लेवल –4	30	12वीं	15 अक्टूबर 2021	http://www.ngri.org.in	केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य
7	राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय संस्थान, नोएडा, नई दिल्ली, भारत सरकार	सहायक	4	लेवल –4	30	12वीं	10 अक्टूबर 2021	www.nios.ac.in	केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य
8	राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय संस्थान, नोएडा, नई दिल्ली, भारत सरकार	कनिष्ठ आशुलिपिक	3	लेवल –4	30	12वीं	10 अक्टूबर 2021	www.nios.ac.in	केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य
9	राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय संस्थान, नोएडा, नई दिल्ली, भारत सरकार	कनिष्ठ सहायक	36	लेवल –2	30	12वीं	10 अक्टूबर 2021	www.nios.ac.in	केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य
10	राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय संस्थान, नोएडा, नई दिल्ली, भारत सरकार	ईडीपी सुपरवाइजर	37	लेवल –6	30	स्नातक	10 अक्टूबर 2021	www.nios.ac.in	केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य
11	राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय संस्थान, नोएडा, नई दिल्ली, भारत सरकार	अनुभाग अधिकारी	7	लेवल –7	30	स्नातक	10 अक्टूबर 2021	www.nios.ac.in	केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य
12	जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत सरकार	कार्यालय सहायक	7	लेवल –6	30	स्नातक	18 अक्टूबर 2021	www.jmi.ac.in	केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य
13	जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत सरकार	पर्सनल सहायक	2	लेवल –6	30	स्नातक	18 अक्टूबर 2021	www.jmi.ac.in	केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य

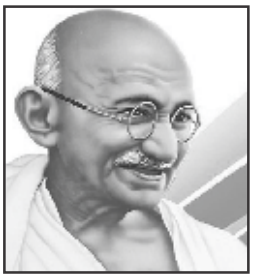

दो अक्टूबर, दो विभूतियाँ

भारत के इतिहास में 2 अक्टूबर के दिन का एक खास महत्व है, स्वतंत्रता दिवस व गणतंत्र दिवस की तरह 2 अक्टूबर को भी राष्ट्रीय पर्व का दर्जा हासिल है। यह दिन देश की दो महान विभूतियों के जन्मदिन के तौर पर इतिहास के पन्नों में दर्ज है।

हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को हुआ था। उनके कार्यों और विचारों ने देश की आजादी और उसके बाद भारत को आकार देने में महती भूमिका निभाई थी। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म भी 2 अक्टूबर 1904 को हुआ। उनकी सादगी और विनम्रता के लोग कायल थे।

1965 का भारत पाक युद्ध और उसी दौरान उनका नारा **जय जवान जय किसान** आज आज भी सार्थक है।

गांधीजी महात्मा कहलाए क्योंकि आजादी की लड़ाई में सत्य व अहिंसा के दम पर बिना रक्तपात के अंग्रेजों को देश से बाहर निकाल दिया। वहीं शास्त्री जी ने 1965 के ही भारत पाक युद्ध में साहसिक निर्णय लेकर पाकिस्तान को मात दे दी।

यूनाइटेड नेशंस ने भी 2 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में जगह दी है जो कि गाँधी की अहिंसा से ही प्रेरित है।

गांधी जी के स्वावलंबन ने खादी निर्माण के लिए चरखे का प्रयोग किया। स्वदेशी अपनाओ का नारा देकर देश की बनी चीजों को बढ़ावा दिया। गाँधी जी द्वारा गाया उनका प्रिय भजन '**रघुपति राघव**' आज भी उनकी याद में गाया जाता है। उनके जीवन में अनुशासन का बड़ा महत्व था जिसे वे हमेशा अपनाकर चलते थे।

लाल बहादुर शास्त्री का जीवन अत्यंत सादा व सच्चा था यही उनकी अमूल्य धरोहर थी। उनका जीवन सिर्फ परिवार तक के लिये ही नहीं था वे पूरे देश के लिए जीए। शास्त्री जी को धरती के लाल के रूप में भी पुकारा जाता है।

जहाँ इन दोनों स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने जीवन में जात-पात, छूआछूत, अमीर-गरीब जैसी बुराइयों को उतरने नहीं दिया, भ्रष्टाचार मुक्त राज्य की कल्पना की बिल्कुल उसके उलट आज की राजनीति में इन्हीं सब बुराइयों को आधार बनाकर सत्ता हासिल की जाती है।

धनबल व भुजबल द्वारा भ्रष्टाचार को बढ़ाया जाता है और गाँधी की रामराज्य की कल्पना को ध्वस्त किया जाता है। आजकल के राजनेताओं के वे मूल्य नहीं रहे जिनकी नींव हमारे इन दोनों स्वतंत्रता सेनानियों ने डाली थी।

देश की एकता, अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए यह अत्यन्त आवश्यक है कि हम इनके बताए मार्ग पर चलें और इनको सच्ची श्रद्धांजलि स्वरूप सत्य व अहिंसा का मार्ग अपनाएं देश के प्रति, भारतीयता के प्रति समर्पण का भाव रखें।

अपनी सम्पूर्ण निष्ठा के साथ सार्वजनिक जीवन जीने वाली इन दोनों विभूतियों ने आजीवन देश को सर्वोपरि मानते हुए अपना बलिदान दे दिया। 11 जनवरी, 1966 को शास्त्री जी व 30 जनवरी 1948 को गांधी जी ने अपने प्राण त्याग दिए। -**भारती तोंदवाल**

प्राण वायु के लिए जरूरी है पौधारोपण : टांक

प्रवासी कुमावत क्षत्रिय समाज समिति, उदयपुर के तत्वावधान में जन सहभागीता से आहड़ सभ्यता के टीलो धूलकोट के किनारे 151 पौधे लगाए गए। मुख्य अतिथि उदयपुर नगर निगम के महापौर गोविंद सिंह टांक (कुमावत) ने कहा कि संक्रमण काल में अब पौधारोपण का महत्व और बढ़ गया है। हर नागरिक का दायित्व है कि वह अपने आसपास के क्षेत्र को हरा-भरा बनाए।

धूलकोट चौराहे पर रविवार (12 सितम्बर) को हुए पौधरोपण कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व मेयर युधिष्ठिर कुमावत ने कहा कि आहड़ सभ्यता के संरक्षण के साथ ही आस पास के वातावरण को हरा भरा बनाए रखने से क्षेत्रवासियो के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी रहेगा।

समिति के अध्यक्ष हरिश वर्मा (आसीवाल) एवं सचिव संदीप कुमावत (घोड़ेला) ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान आहड़ सभ्यता के दोनों टिलो की चार दिवारी के बाहर-बाहर बोहरा गणेशजी की चारों कॉलोनी के निवासियों की सहभागिता से 150 पौधे रोपे गए। कार्यक्रम का शुभारंभ 11 पोधे रोप कर किया गया। कार्यक्रम में समिति के गजानंद जलिन्दरा, सतीश घोड़ेला, सुरेश सिरसवा, फूलचंद सिरसवा, दिलीप वर्मा, कमलेश जाजोरिया, भूपेश आसीवाल, राजेश वर्मा, गिरधारी कुमावत, मनीष कुमावत, दिव्यम कुमार आदि ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में अतिथि उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीना, उपमहापौर पारस सिंघवी, निगम के अतिक्रमण निषेध निवारण समिति अध्यक्ष छोगालाल भोई और हंसा माली, अध्यक्ष गैराज समिति अध्यक्ष मनोहर चौधरी, पार्षद करणमल जारोली, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष दिनेश भट्ट ने भी पौधारोपण किया।

पौधों की सुरक्षा को लेकर समिति सदस्यों सहित क्षेत्रवासियों ने जिम्मेदारी ली।

नवरात्री के नौ दिनों में होती है माँ के नौ रूपों की पूजा
रावण था महान् संगीतज्ञः संगीत सुनने के लिए देवता भी धरती पर आते थे

नवरात्री हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। जिसे दुर्गा माँ की पूजा को समर्पित किया जाता है। नवरात्री के त्योहार को बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। माँ के अनेक भक्त इन दिनों नंगे पाँव रहते हैं। अब नवरात्रा भारतीय संस्कृति में आनन्द, उत्साह और परम्परा के साथ मनाया जाने वाला महत्वपूर्ण त्योहार हो चुका है। धर्मग्रंथों और पुराणों के अनुसार नौ दिन तक माता दुर्गा धरती पर वास करती है। इसलिए नवरात्रा के नौ दिनों में माँ दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा के साथ ही उपवास अनुष्ठान भी किया जाता है।

आश्विन मास में शुक्ल पक्ष कि प्रतिपदा से प्रारम्भ होकर नौ दिन तक चलने वाले नवरात्रा शारदीय नवरात्रा कहलाते हैं। नव का शाब्दिक अर्थ नौ है और इसे नव अर्थात नया भी कहा जाता है। शारदीय नवरात्रों में दिन छोटे होने लगते है। मौसम में परिवर्तन शुरू हो जाता है। प्रकृति, सर्दी की चादर में लिपटने लगती है। ऋतु के परिवर्तन का प्रभाव लोगों को प्रभावित न करे, इसलिए प्राचीन काल से ही इन दिनों में नौ दिनों के उपवास का विधान है।

दरअसल, इस दौरान उपवासक संतुलित और सात्विक भोजन कर अपना ध्यान चिंतन और मनन में लगाकर स्वयं को भीतर से शक्तिशाली बनाते है। इससे वह न केवल उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त करते है बल्कि वह मौसम के बदलाव को सहने के लिए आंतरिक रूप से स्वयं को मजूबत भी करते है। इस पर्व के दौरान तीन प्रमुख हिंदू देवियों पार्वती, लक्ष्मी और सरस्वती के नौ स्वरूपों श्री शैलपुत्री, श्री ब्रह्मचारिणी, श्री चंद्रघंटा, श्री कुष्मांडा, श्री स्कंदमाता, श्री कात्यायनी, श्री कालरात्रि, श्री महागौरी, श्री सिद्धिदात्री का पूजन विधि विधान से किया जाता है। साल में दो बार नवरात्रों का विधान हमारे मनीषियों ने किया है। पहला नवरात्रा विक्रम संवत के पहले दिन चैत्र मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा नवमी तक होते हैं। इसके छह महीनें बाद आश्विन मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से महानवमी अर्थात विजयदशमी के एक दिन पूर्व तक नवरात्रा मनाए जाते हैं। दोनों नवरात्रों में शारदीय नवरात्रों को ज्यादा महत्व दिया जाता है। हालांकि दोनों नवरात्रा में देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है, लेकिन सिद्धि और साधना की दृष्टि से शारदीय नवरात्रों को विशेष महत्वपूर्ण माना जाता है।

हमारे शास्त्रों में नवरात्रा पर्व मनाए जाने की दो पौराणिक कथाएँ है। **पहली पौराणिक कथा** के अनुसार, महिषासुर नाम का एक राक्षस था जो ब्रह्माजी का बड़ा भक्त था। उसने अपने तप से ब्रह्माजी को प्रसन्न करके एक वरदान प्राप्त कर लिया था। वरदान में उसे कोई देव, दानव या पृथ्वी पर रहने वाला कोई मनुष्य मार नही सकता था। वरदान प्राप्त करते ही बहुत निर्दयी हो गया और वह तीनों लोकों में आतंक मचाने लगा। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरूण और अन्य देवताओं के सभी को अपने वश में कर लिया था और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा था। उसके आतंक से परेशान होकर देवी देवताओं ने ब्रह्मा, विष्णु, महेश के साथ मिलकर माँ शक्ति के रूप में दुर्गा को जन्म दिया। माँ दुर्गा और महिषासुर के बीच नौ दिनों तक भयंकर युद्ध हुआ और दसवें दिन माँ दुर्गा ने महिषासुर का वध कर दिया। इस दिन को बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया जाता है।

दूसरी पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान श्रीराम ने लंका पर आक्रमण करने से पहले और रावण के साथ होने वाले युद्ध में जीत के लिए शक्ति की देवी माँ भगवती की आराधना की थी। रामेश्वरम में उन्होंने नौ दिनों तक माता की पूजा की। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर माँ ने श्रीराम को लंका विजय प्राप्ति का आशीर्वाद दिया। दसवें दिन भगवान राम ने लंका नरेश रावण को युद्ध में हराकर उसका वध कर लंका पर विजय प्राप्त की। इस दिन को विजयदशमी के रूप में जाना जाता है।

विजयदशमी (दशहरा) बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न होता है। उसी के उल्लास में जगह-जगह रामलीलाएँ होती हैं व रावण के पुतले का दहन किया जाता है। रावण का नाम सुनते ही सभी हिंदू धर्मावलंबियों के मन में सबसे पहले दुष्ट राक्षस और व्याभिचारी की छवि मन में आती है लेकिन धार्मिक ग्रंथों में रावण को एक प्रकाण्ड विद्वान, वेद ज्ञानी और वास्तुकार भी बताया गया है। लेकिन अंहकार के कारण उसका ज्ञान उसे अंत की ओर ले गया। रावण को हिंदू समाज में खलनायक की तरह माना गया है, लेकिन अपने ही देश में एक जगह ऐसी भी है जहाँ रावण को जलाया नहीं जाता, बल्कि उसकी पूजा की जाती है।

रावण एक संगीतज्ञ भी था, उसे वीणा बजाने में महारथ हासिल थी। रावण को संगीत का बहुत शौक था। पौराणिक कथाओं में उल्लेख मिलता है कि रावण इतनी मधुर वीणा बजाता

था कि देवता भी उसका संगीत सुनने के लिए धरती पर आ जाते थे।

रावण के दस सिरों के पीछे है पौराणिक कथा

रावण के 10 सिर के बारे में दो मत हैं। **पहले मत के अनुसार** रावण के दस सिर नहीं थे। उसके गले में पड़ी 9 मोतियों की माला से एक भ्रम पैदा होता था कि उसके 10 सिर है। ये माला उसे, उसकी माँ ने दी थी। **दूसरे मतानुसार** जब रावण शिवजी को प्रसन्न करने के लिए घोर तप कर रहा था, तब रावण ने खुद अपने सिर को धड से अलग कर दिया था और शिवजी उसकी ये भक्ति देख इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने उसके हर टुकड़े से एक सिर बना दिया था।

एक श्राप की वजह से नही कर सका रावण माता सीता को स्पर्श

ऐसा कहा जाता है कि रावण महिलाओं के प्रति बहुत जल्द आसक्त हो जाता था। एक बार जब वह नालाकुरा की पत्नी को अपने वश में करने की कोशिश कर रह था तब उन्होंने उसे श्राप दिया था कि वह जीवन किसी भी स्त्री को उसकी इच्छा के बिना स्पर्श नहीं कर सकेगा और ऐसा करने का प्रयास किया तो उसका विनाश हो जाएगा। यही कारण था कि वह देवी सीता को छू नहीं सका था।

रावण था एक आदर्श पति और आदर्श भ्राता

रावण एक आदर्श भाई और पति था। वह अपनी बहन का अपमान नहीं सह सका था और वहीं वह अपनी पत्नी का भी बहुत सम्मान करता था। अपनी पत्नी को बचाने के लिए वह उस यज्ञ से उठ गया, जिससे वो राम की पूरी सेना को तबाह कर सकता था।

नवरात्री व विजयदशमी की सभी पाठकों को शुभकामनाएँ। माँ की आराधना के साथ-साथ नवरात्री पर्व पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाये, लेकिन महामारी से बचाव के उपायों की पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ पालन करें। ध्यान रहे कोरोना अभी गया नहीं है। कोरोना से जीती हुई बाजी कहीं हम हार न जायें इसलिए कोविड-19 के दिशा-निर्देशों का पालन करें। कोरोना की इस महामारी से हमें सदैव के लिए मुक्ति मिले, यही हमारी कामना है।

- **जयसिंह गुडीवाल,** सह सम्पादक मो. 9461343432

उदयपुर क्षत्रिय कुमावत समाज विधिक सेवा समिति गठित

'क्षत्रिय कुमावत समाज विधिक सेवा समिति' का गठन विधिवत दिनांक 14 अगस्त 2021 को उदयपुर शहर की समस्त पंचायतों, प्रवासी समाज, महासभा, विकास मंच एवं समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुए हैं। अध्यक्ष भरत कवाया 7023766778, 9214987114, उपाध्यक्ष शंकर लाल भदाणिया 9828028811, महिला उपाध्यक्ष श्रीमती संगीता अजमेरा 9982043011 9057276788, महामंत्री भरत कुमार बबेरीवाल 79765 89521, कोषाध्यक्ष कुलदीप टॉक 8209697712, कार्यालय मंत्री दिनेश गोठवाल 9828579252 तथा मंत्री प्रियांश कुमावत गोठवाल 8955820166 निर्वाचित हुए हैं। इस समिति द्वारा अब विधिवत समाज की सेवा का कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। यदि समाज के किसी परिवार का कोई भी पारिवारिक विवाद न्यायालय में लंबित है तथा वे आपसी समझौते अथवा निष्पक्ष मध्यस्थता से अपना परिवारिक विवाद का निपटारा करना चाहते हैं तो विधिक सेवा समिति को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि अन्य न्यायिक मामलों मे भी सहायता की आवश्यकता हो तो यह विधिक सेवा समिति समाजजनों को हर संभव सहायता उपलब्ध करवाएगी।

- **एडवोकेट हरिशंकर खण्डारिया 7976846836**

1700 किलोमीटर का सफर तय कर सरहद पर ले पहुंचे बहनों का प्यार

देश सेवा के लिए सरहदों पर तैनात जवान भाइयों की कलाई सूनी ना रहे, यही भावना और बहनों का प्यार लेकर बाड़मेर की मुनाबाव सीमा पर हपुंचे जयपुर के दो देशप्रेमी। जयपुर के राजू

कुमावत और अमित सिंह सिसोदिया (रॉयल बुलेट बटालियन) का देश के प्रति प्रेम देखते ही बनता है कि दो दिन लगातार बाइक से 1700 किलोमीटर का सफर तय कर जवान भाईयों की कलाई पर भाईयों का प्यार बांधा। आपसी सौहार्द्र और प्रेम का अनुभव दोनों देशप्रेमियों ने वापस लौटकर सांझा किया। उन्होंने बताया कि शहर बहनों और बच्चों द्वारा बनाई गई लगभग 10 हजार राखियां, जवान, भाईयों के लिए अलग-अलग प्यार भरे संदेश वाले 3 हजार विजिटिंग कार्ड और चॉकलेट लेकर पहुंचे थे। मुनाबाव सीमा पर भारतीय सेना के परिसर में जवानों की कलाई पर रखी बांधकर विजिटिंग कार्ड और चॉकलेट दी। इस अवसर पर जवानों ने '**संदेशे आते हैं, हमें तड़पाते हैं....**' सामूहिक गीत गाकर भाव विभोर कर दिया।

पितृ पक्ष और भारतीय परम्परा: पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता का पर्व है श्राद्ध पक्ष

श्राद्ध का मतलब श्रद्धापूर्वक अपने पूर्वजों को प्रसन्न करने से है। सनातन मान्यता के अनुसार जो परिजन अपना देह त्यागकर चले गये है, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए सच्ची श्रद्धा के साथ जो तर्पण किया जाता है, उसे श्राद्ध कहा जाता है।

हमारे समाज में हर सामाजिक व वैज्ञानिक अनुष्ठान को धर्म से जोड़ दिया गया था ताकि परम्पराएँ निभाई जाती रहे। श्राद्धकर्म उसी श्रृंखला का एक भाग है जिसके सामाजिक या पारिवारिक औचित्य को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। हिन्दू धर्म में मृत्यु के बाद श्राद्ध करना बेहद जरूरी माना जाता है। मान्यतानुसार अगर किसी मनुष्य का विधिपूर्वक श्राद्ध और तर्पण न किया जाए तो उसे इस लोक से मुक्ति नहीं मिलती है। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, देवताओं को प्रसन्न करने से पहले मनुष्य को अपने पितरों यानि पूर्वजों को प्रसन्न करना चाहिए। हिन्दू ज्योतिष के अनुसार भी पितृ दोष को सबसे जटिल कुंडली दोषों में से एक माना जाता है। पितरों की शांति के लिए हर वर्ष भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से आश्विन कृष्ण अमावस्या तक के काल में पितृ पक्ष श्राद्ध मनाए जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दौरान कुछ समय के लिए यमराज पितरों को आजाद कर देते हैं ताकि वे अपने परिजनों से श्राद्ध ग्रहण कर सकें। ब्रह्मपुराण के अनुसार, जो भी वस्तु उचित काल या स्थान पर पितरों के नाम उचित विधि द्वारा ब्राह्मणों को श्रद्धापूर्वक दी जाए, वह श्राद्ध कहलाता है. श्राद्ध के माध्यम से पितरों की तृप्ति के लिए भोजन पहुंचाया जाता है। पिण्ड रूप में पितरों को दिया गया भोजन श्राद्ध का अहम हिस्सा होता है।

कौन कहलाते हैं पितर ?

जिस किसी के परिजन चाहे वो विवाहित हो या अविवाहित हो, बच्चा हो या बुजुर्ग, स्त्री हो या पुरूष उनकी मृत्यु हो चुकी है उन्हें पितर कहा जाता है, पितृपक्ष में पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण किया जाता है। पितरों के प्रसन्न होने पर घर में सुख शांति आती है।

जब याद ना हो श्राद्ध की तिथि

पितृपक्ष में पूर्वजों का स्मरण और उनकी पूजा करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है। जिस तिथि को हमारे परिजनों की मृत्यु होती है उसे श्राद्ध तिथि कहते हैं। बहुत से लोगों को अपने परिजनों की मृत्यु की तिथि याद नहीं रहती ऐसी स्थिति में शास्त्रों के अनुसार आश्विनी अमावस्या को तर्पण किया जा सकता है। इसलिए इस अमावस्या को सर्वपितृ अमावस्या कहा जाता है।

श्राद्ध पक्ष में कौओं का महत्त्व

कौए को पितरों का रूप माना जाता है। मान्यता है कि श्राद्ध ग्रहण करने के लिए हमारे पितर कौए का रूप धारण कर नियत तिथि पर हमारे घर आते हैं। अगर उन्हें श्राद्ध नहीं मिलता है तो वे रुष्ट हो जाते हैं। इस कारण श्राद्ध का प्रथम अंश कौओं को दिया जाना चाहिए।

श्राद्ध पक्ष से जुड़ी पौराणिक मान्यतायें

महाभारत काल में श्राद्ध के बारे में पता चलता है। जिसमें भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को श्राद्ध के संबंध में कई बातें बताई हैं। साथ ही यह भी बताया गया है कि श्राद्ध की परम्परा कैसे शुरू हुई।

महाभारत के अनुसार, सबसे पहले महातप्सवी अत्रि ने महर्षि निमि को श्राद्ध के बारे में उपदेश दिया था। इसके बाद महर्षि निमि ने श्राद्ध करना शुरू कर दिया। महर्षि को देखकर अन्य ऋषि मुनियों ने पितरों को अन्न देने लगे। लगातार श्राद्ध का भोजन करते-करते देवता और पितर पूर्ण तृप्त हो गये।

लगातार श्राद्ध का भोजन पाने से देवताओं और पितरों को अजीर्ण रोग हो गया और इससे उन्हें परेशानी होने लगी। इस परेशानी से निजात पाने के लिए वे ब्रह्माजी के पास गये और अपने कष्ट के बारे में बताया। देवताओं और पितरों की बातें सुनकर उन्होंने बताया कि अग्निदेव आपका कल्याण करेंगे। अग्निदेव ने देवताओं और पितरों को कहा कि अब से श्राद्ध में हम सभी साथ में भोजन किया करेंगे। मेरे पास रहने से आपका अजीर्ण भी दूर हो जायेगा। यह सुनकर प्रसन्न हो गये। इसके बाद से ही सबसे पहले श्राद्ध का भोजन पहले अग्निदेव का दिया जाता है, उसके बाद ही देवताओं और पितरों को दिया जाता है।

शास्त्रों में इस बात का उल्लेख मिलता है कि हवन में जो पितरों को निमित्त पिंडदान दिया जाता है, उसे ब्रह्मराक्षस भी दूषित नहीं करते। इसलिए श्राद्ध में अग्निदेव को देखकर राक्षस भी वहाँ से चले जाते हैं। अग्नि हर चीज को पवित्र कर देती है। पवित्र खाना मिलने से देवता और पितर प्रसन्न हो जाते हैं।

शिक्षिका दुर्गेश नंदिनी ने सेवानिवृत्ति पर स्कूल में सरस्वती मूर्ति स्थापना कराई

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ग्रा.प. काछवा, प.स. गोगुन्दा, उदयपुर की शिक्षका दुर्गेश नंदिनी दाहिमा ने सेवानिवृत्ति के अवसर पर पति स्व. श्री देवेन्द्र दाहिमा उदयपुर की स्मृति में विद्यालय प्रांगण में माँ सरस्वती की मूर्ति की स्थापना करा कर अनुकरणीय कार्य किया है।

आप लालकोठी स्कीम जयपुर निवासी स्व. श्री गोकुल चन्द जलान्धरा की पुत्री हैं तथा श्री अम्बालाल दाहिमा निवासी उदयपुर आपके श्वसुर हैं। आपके पति श्री देवेन्द्र का निधन वर्ष 2006 में होने के उपरांत आपने वर्ष 2008 में राजकीय अध्यापिका की नौकरी प्रारम्भ की थी तथा सितम्बर 2021 में सेवानिवृत्त हुई हैं। आपके 2 पुत्र राहुल व प्रयांश हैं।

आपके भ्राता सर्वश्री सी पी सिंह, नरेंद्र सिंह, चेतन सिंह व नवनीत प्रकाश है। आप विधालय के अनेक निर्धन विधार्थियों को नि:शुल्क पुस्तके, पाठ्यसामग्री व यूनिफार्म की व्यवस्था समाजजनों से कराती रही है। आपके द्वारा विद्यालय प्रांगण में **माँ सरस्वती की मूर्ति स्थापित** कराने का अनुकरणीय कार्य करने व सफलता पूर्वक **सेवानिवृत्त** होने पर **कुमावत इंडिया** पत्रिका की ओर से बधाई।

चाय बेचने वाले की बेटी ट्विंकल ने नेशनल गेम्स में गोल्ड मेडल जीता

राणा सांगा बाजार, चित्तौड़गढ़ में चाय की रेड़ी लगाने वाले कन्हैया लाल की बेटी टिवंकल ने ''युथ गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया नेशनल चेम्पियनशिप, 2021'' दिल्ली में 65 किलो भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीत कर राजस्थान को इस प्रतियोगिता में एक मात्र मैडल दिलाया।

टिवंकल ने पहले राज्य स्तरीय जूनियर प्रतियोगिता में भरतपुर व सीकर में रजत पदक जीत चुकी है।

टिवंकल बचपन से बास्केटबॉल खेलती थी, **किंतु साढ़े तीन साल पहले पिता की प्रेरणा से कुश्ती सीखना शुरू किया।** पहले स्टेडियम में लड़कियां आती थी किंतु बाद में उन्होंने आना बंद कर दिया, **इसलिए लड़को के साथ कुश्ती का अभ्यास किया।** सत्यनारायण व्यायामशाला के प्रशिक्षक कमल गुर्जर ने इन्हें कुश्ती के दाव सिखाये। इसके पिता कम आय होते हुए छोटी पुत्री शिवानी व पुत्र युवराज को भी कुश्ती का प्रशिक्षण दिला रहे है व उनकी खुराक पर विशेष ध्यान दे रहे है।

टिवंकल को गोल्ड मैडल जीतने पर '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से बधाई व उज्ज्वल भविष्य की कामना।

डूंगरराम गेदर के 55वें जन्मदिन पर रक्तदान

जनसेवक डूंगर राम गेदर के 55वें जन्मदिन पर राजस्थान के सूरतगढ़, गंगानगर, मुंडा, सादुलशहर, गोलुवाला, पीलीबंगा, रावतसर, भादरा, रतनगढ़, सुजानगढ़, बिदासर, सालासर, मालपुरा टोंक, बीकानेर, कातर, रावला मंडी, बालोतरा, जयपुर, बरवाला हरियाणा, पुणे (महाराष्ट्र) सहित अनेक स्थानों पर विशाल रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। जिसमें हज़ारों की संख्या में कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने रक्तदान किया।

इन रक्तदान शिविरों में लोगों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और गेदर साहब को रक्तदान करके जन्मदिन का उपहार दिया और आगामी जीवन में इनके अच्छे स्वास्थ्य और बेहतर भविष्य की कामना की। सूरतगढ़ शहर में व्यापार मंडल में हुए रक्तदान शिविर में कोरोना के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए रिकॉर्ड 171 यूनिट रक्त 'मैत्री ब्लड बैंक सूरतगढ़' द्वारा एकत्रित किया गया और इस अवसर पर डॉ. मनोज अग्रवाल, डॉ. संजय मरवाल, डॉ. सतीश टाक, पूर्व प्रधान साहबराम पूनिया, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष के साथ अन्य साथियों ने पहुंच कर गेदर साहब को गुलदस्ते भेंट करके जन्मदिन की बधाई दी। सूरतगढ़ के अलावा प्रदेश के अन्य स्थानों पर लगे रक्तदान शिविरों में लगभग 1700 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। इस अवसर पर रक्तदान शिविरों के अलावा विभिन्न अस्पतालों में फल, सैनिटाइजर व मास्क भी बांटे गए। प्रदेश के अनेकों स्थानों पर पौधरोपण के कार्यक्रम और गौशालाओं में गायों को चारा, गुड आदि खिलाया गया।

सेवा संस्थान, राजस्थान के सचिव श्रवण सिंगाठिया ने कहा कि प्रदेश और प्रदेश के बाहर लगे इन रक्तदान शिविरों व अन्य कार्यक्रमों में उपस्थित हज़ारों कार्यकर्ताओं व समर्थकों की संख्या ने एक बार फिर इस बात का प्रमाण दिया है कि गेदर साहब की पूरे प्रदेश में अटूट पकड़ है और प्रदेश के हर हिस्से में इनके समर्थक व चाहने वालों कि संख्या निरन्तर बढ़ रही है।

गेदर साहब के बड़े भाई ओम प्रकाश जी गेदर ने कहा कि इन्होंने आजीवन अविवाहित रहते हुए अपने जीवन के 35 वर्ष आमजन की सेवा में लगाये हैं और जनता का प्यार ही कमाया है, जो इन आयोजनों से स्पष्ट है।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका ने जननेता डूंगर राम जी गैदर को जन्मदिन की बधाई दी व उनकी लंबी उम्र की कामना की है।

कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से सफलता पर बधाई

12वीं के प्रतिभावान छात्र-छात्राएं

100
दीपक कुमावत
घोइन्दा, राजसमन्द

99.40
रोशन कुमावत
सबलपुरा, सीकर

96.60
मानव कुमावत
उदयपुर

95.00
आदित्य कुमार कुमावत
जोबनेर, जयपुर

94.40
दीपा कुमावत
आसलपुर

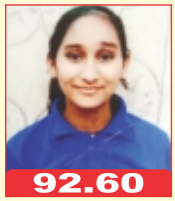
92.60
वसुन्धरा कुमावत
आकोड़ा, जयपुर

87.80
हिमांशु कुमावत
झोटवाड़ा, जयपुर

86.00
भावेश कुमावत
सोजत, पाली

84.00
रमेश कुमावत
गोविन्दपुरा, जयपुर

82.20
अशोक कुमावत
नावां सिटी

82.00
मीनाक्षी कुमावत
चौमूं

82.00
आदित्य मुंडेल
सांवेर, इंदौर

81.80
चन्द्र प्रकाश कुमावत
बघेरा

80.80
अभिषेक कुमावत
इन्दरगढ़, बूंदी

10वीं के प्रतिभावान छात्र-छात्राएं

97.60
अक्षांश कुमावत
उदयपर

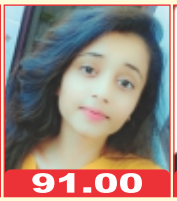
91.00
रिद्धिमा कुमावत
बगरू, जयपुर

87.00
कुशाल कुमावत
रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

84.00
रोहित कुमावत
जोबनेर, जयपुर

83.33
गोविन्द राम
डेचू, जोधपुर

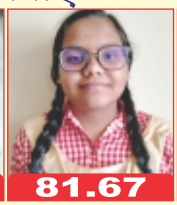
81.67
टीनीशा कुमावत
प्रतापनगर, जयपुर

81.67
हिमांशी कुमावत
सांगानेर, जयपुर

81.17
सत्यनारायण कुमावत
सदाडा (भीलवाड़ा)

81.00
कुसुम पटेल
बिलाड़ा, जोधपुर

80.17
महीपाल
बिलाड़ा, जोधपुर

80.00
रोहित कुमावत
गोविन्दगढ़

नेमीचन्द कुमावात
मौजमाबाद पंचायत समिति
वार्ड नं. 16

पंचायत आदि चुनाव में विजयी उम्मीदवार

उषा देवी कुमावत
पंचायत समिति जालसू
वार्ड नं. 25

हरफूल कुमावत
पं.स. गोविंदगढ़ वार्ड नंबर 25 से 233 वोटों से विजयी।

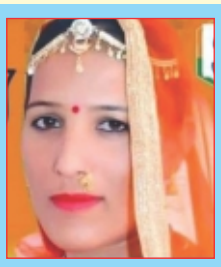
श्रीमती नारंगी कुमावत पत्नी रिशपाल कुमावत पं. स. गोविन्दगढ़ वार्ड न. 03 से 824 मतों से विजय

धर्मेंद्र कुमार (बैताडिया)
भारतीय जनता पार्टी से जोबनेर पं. स. वार्ड नम्बर 5 से 1063 मतों से विजयी

श्री जय राम कुमावत
रोजदा से विजयी।

श्री मनोज कुमावत,
वार्ड नं 14 से जिला परिषद निर्वाचित

रेखा कुमावत
वार्ड 18 बालेसर से विजयी।

प्रेम देवी कुमावत
ग्राम पंचायत गुढ़ा बैरसल

हनुमान सहाय कुमावत,
पंचायत समिति गोविन्दगढ़ के वार्ड नं. 8 से विजयी होने पर बधाई।

ज्योती कुमावत,
पंचायत समिति गोविन्दगढ़ के वार्ड 11 से विजयी होने पर बधाई।

नन्दकिशोर कुमावत,
पंचायत समिति झोटवाड़ा वार्ड नं. 6

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) उत्तरी पूर्वी जोन, राजस्थान के चुनाव

विजयी हुए प्रत्याशियों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई

राजेश धुंधारिया, जयपुर शहर के अध्यक्ष तथा जयसिंह गुड़ीवाल जोन कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा रजि. उत्तरी-पूर्वी जोन के चुनावों में जयपुर शहर अध्यक्ष पद पर **राजेश धुंधारिया** विजयी घोषित हुए है। श्री राजेश धुंधारिया वर्तमान में जयपुर नगर निगम हेरिटेज में वार्ड नं. 48 से पार्षद है। श्री राजेश धुंधारिया कुमावत इंडिया पत्रिका के व्यवस्थापक मंडल सदस्य है तथा श्री जयसिंह गुड़ीवाल सह-संपादक हैं। जयपुर शहर के कुमावत समाज को आपसे आशा है आप समाज को नई बुलंदियों पर ले कर जाएंगे। आप दोनों की जीत पर कुमावत इंडिया पत्रिका परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

नवल सरथल्या
महामंत्री जयपुर शहर

दीपक नेमीवाल
प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तरी पूर्वी जोन

रूपकिशोर रतीवाल
प्रदेश महामंत्री उत्तरी पूर्वी जोन

रामस्वरूप मारवाल
महामंत्री जयपुर देहात

राजेन्द्र कुदीवाल
उपमंत्री उत्तरी पूर्वी जोन

मुकेश कुमावत
जिला महामंत्री
टोंक

पूरनमल छापोला
संगठन मंत्री

सूरज किरोड़ीवाल
जिलाध्यक्ष, अजमेर

छोटूराम बड़ीवाल
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
सोडाला

शंकर लाल मामोड़िया
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
चौमूं

नेमी चन्द छापोला
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
झोटवाड़ा

गोपाल अनावड़िया
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सोडाला

शीला अनावड़िया
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
चांदपोल-किशनपोल

इन्द्र सिंह भदानिया
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
सांगानेर

भीम सिंह सिरोहिया
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
सांगानेर

विजेन्द्र मारवाल
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
चांदपोल

महेन्द्र कुमार भोरोदिया
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
लालकोठी

कमला देवी मामोड़िया
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
चौमूं

संग्राम मावर
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
अजमेर

अरुण कुसुम्बीवाल
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
बापूनगर

पूनम अजमेरा
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
सांगानेर

मनोज जाखड़, केकड़ी
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य

हरलाल कुमावत
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
दूदू

राकेश बारवाल
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
बगरू

नवल किशोर बबेरीवाल
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
सांगानेर

शिवदयाल धुंधारिया
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
ढहर के बालाजी

संतोष नेमीवाल
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
फुलेरा

श्यामलाल मावर
नागौर

कुलदीप पारमवाल
जोन कार्यकारिणी सदस्य
किशनगढ़

चमनलाल कुमावत
जोन कार्यकारिणी सदस्य
बगरू

प्रहलाद दम्बीवाल
जोन कार्यकारिणी सदस्य, फुलेरा

गीता स्वामी
जोन कार्यकारिणी सदस्य
किशनपोल

रूपनारायण कुमावत
जोन कार्यकारिणी सदस्य
सोडाला

मोहनलाल खाटूवाल
जोन कार्यकारिणी सदस्य
सोडाला

नरेन्द्र गुड्डीवाल
जोन कार्यकारिणी सदस्य
बापूनगर

नीतू बातरा
जोन कार्यकारिणी सदस्य
टोंक

धनकुमार भदानिया
जोन कार्यकारिणी सदस्य
सांगानेर

रतनलाल जूनवाल
जोन कार्यकारिणी सदस्य
सांगानेर

रतनलाल जूनवाल
जोन कार्यकारिणी सदस्य
सांगानेर

संतोष देवी मोरवाल
जोन कार्यकारिणी सदस्य
सांगानेर

बालस्वरूप बरनोटा
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
किशनगढ़

निर्वाचित हुए जिन पदाधिकारियों की फोटो उपलब्ध नहीं हुई है उनका विवरण प्रकाशित नहीं हो पाया है। कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से उन सभी को भी निवार्चित होने पर बधाई।

108वीं जयंती पर विशेष

स्व. श्री भौंरी लाल वर्मा (मास्टर जी)

14 सितम्बर, 1914 को श्री भोमाराम देवतवाल पुत्र श्री गंगाबक्श देवतवाल के साधारण कृषक परिवार में जयपुर की हथरोई कच्ची बस्ती में श्री भौंरीलाल जी का जन्म हुआ। इनके माता-पिता का देहावसान जल्द हो जाने से लालन-पालन दादा-दादी ने किया। इनकी दादी मिट्टी के खिलाने बनाकर बेचती थीं। मास्टरजी का बचपन कष्ट में व्यतीत हुआ तथा परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। आपका विवाह 11 वर्ष की उम्र में श्री दूलीचन्द किरोड़ीवाल की पुत्री फूला देवी के साथ हुआ।

श्री भौंरी लाल जी अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए स्वयं ट्यूशन देते। वर्ष 1936 में हाई स्कूल परीक्षा वाणिज्य विषय में उत्तीर्ण की तथा उसी वर्ष लक्ष्मणगढ़ (सीकर) में अध्यापक नियुक्त हुए, जहां आप लगभग 13 वर्ष रहे। अपने जीवन के अनुभवों से सीख कर गरीब छात्रों की मदद की व 'मास्टरजी' नाम से पहचाने जाने लगे। जयपुर रियासत के महाराजा मानसिंह ने जब राजपूताना विश्वविद्यालय स्थापित करने की घोषणा की तो मास्टरजी ने नौकरी हेतु आवेदन किया तथा उन्हें नियुक्ति मिली तो जयपुर आ गये। मास्टरजी के विश्वविद्यालय के नियम, उपनियम बनाने तथा उनमें संशोधन करने में दक्षता के कारण उनसे कुलपति व कुलसचिव भी सलाह लेते थे। इनकी लोकप्रियता के कारण इन्हें 'काकाजी' कहा जाने लगा।

मास्टर जी 14 सितम्बर 1976 को सहायक कुलसचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए। सेवा के दौरान आपने अनेक समाज बंधुओं को विश्वविद्यालय में नौकरी पर लगाया था।

मास्टरजी ने सदैव प्रयत्न करने पर जोर दिया न कि भाग्य पर। यदि कोई छात्र मदद मांगने आया तो निराश नहीं किया। वे काम को ही पूजा मानते थे। मास्टरजी ने वर्ष 1960 में बालनिवास, जयपुर के ट्रस्टियों से मिलकर बाहर से जयपुर आये छात्रों के लिए छात्रावास की स्थापना करायी जिसमें छात्रों की हर तरह से मदद की तथा अनेक होनहार छात्र यहां से निकले जिनका समाज में नाम हुआ। आपने अपने घर में '**श्रीमती लक्ष्मी स्मृति पुस्तकालय**' तथा बाल निवास में '**बालजी घोड़ेला पुस्तकालय**' स्थापित

शेष पृष्ठ 23 पर ...

मास्टर भौंरीलाल वर्मा चेरिटेबल ट्रस्ट

30, नवल निकुंज, पंचवटी जेडीए कॉलोनी, गुर्जर की थड़ी, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर

स्व. मास्टर भौंरीलाल वर्मा (देवतवाल)

(14 सितम्बर, 1914-24 सितम्बर 1983)

की 108वीं जयन्ती पर उनको नमन करते हुए उनके द्वारा प्रतिपादित किए गए सिद्धान्तों का अनुसरण करते हुए हम कृत संकल्प हैं। कोरोना वैश्विक महामारी के कारण इस वर्ष ट्रस्ट की गतिविधियां अत्यन्त सीमित रही हैं।

ट्रस्ट की प्रमुख गतिविधियां

(1) प्रतिवर्ष छात्र-छात्राओं के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करना।
(2) आर्थिक दृष्टि से कमजोर एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को अग्रिम अध्ययन हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करना।
(3) श्रीमती लक्ष्मी स्मृति पुस्तकालय के माध्यम से छात्र-छात्राओं को पुस्तकीय सहायता करना।
(4) स्व. मास्टर जी की जयन्ती 14 सितम्बर को स्मृति व्याख्यान आयोजित करना एवं समारोह की विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान करना एवं छात्रवृत्ति वितरण करना।
(5) समाज सेवा एवं शैक्षणिक उन्नयन हेतु अन्य कार्यक्रमों का आयोजन।

किशोर कुमार देवतवाल
संरक्षक
मो.: 7877095052

रामजीलाल तोंदवाल
अध्यक्ष
मो.: 9828130256

रामचन्द्र वर्मा
उपाध्यक्ष
मो.: 9672750188

धीरज वर्मा
कोषाध्यक्ष
मो.: 9929442200

रविकान्त वर्मा
मंत्री
मो.: 9983314170

मान्यता यह भी है कि जब महाभारत के युद्ध में दानवीर कर्ण का निधन हो गया और उनकी आत्मा स्वर्ग पहुंच गई, तो उन्हें नियमित भोजन के बजाय खाने के लिए सोना और गहने दिये गये। इस बात से निराश होकर कर्ण की आत्मा ने इंद्र देव से इसका कारण पूछा। तब इंद्र देव ने कर्ण को बताया कि आपने अपने पूरे जीवन मे सोने के आभूषणों को दूसरों को दान किया लेकिन कभी भी अपने पूर्वजों को भोजन दान नहीं दिया। तब उसने उत्तर दिया कि वो अपने पूर्वजों के बारे में नहीं जानता और उसे सुनने के बाद भगवान इंद्र ने उसे 15 दिनों की अवधि के लिए पृथ्वी पर वापस जाने की अनुमति दी, ताकि वो अपने पूर्वजों को भोजन दान कर सके। इसी 15 दिन की अवधि को पितृ पक्ष के रूप में जाना जाता है।

समय परिवर्तन के साथ लोगों में पितरों के श्राद्ध के प्रति श्रद्धा और समर्पण में बदलाव आया है। आधुनिकता की चकाचौंध में आज की युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति, सभ्यता, परम्परा व संस्कारों को दरकिनार कर रही है। युवा पीढ़ी इससे अधिक प्रभावित हो रही है। युवा इसे रूढ़िवादिता का नाम देते हैं। भोग विलास और आधुनिकता की चकाचौंध और ऐश्वर्य उनके जीवन का आदर्श बन चुके हैं। पूर्वजों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करना चाहिए जिससे वे जिस योनि में हो उन्हें दु:ख नहीं मिले। उनकी सुख-शांति के लिए पिंडदान तर्पण करना ही श्राद्ध की महिमा है। श्राद्ध की परम्परा को बनाए रखकर हम अपनी संस्कृतिक और विरासत को जीवित रख सकते हैं।

– **रवि कुमार कुमावत,** सांगानेर, जयपुर

श्री अजीत वर्मा (अनावडिया).... पृष्ठ 5 से आगे

उपलब्धियां व पुरस्कार : कोलंबिया की रीनकोनसरटे फाउंडेशन ने (2017) दुनिया के 25 उत्तम कलाकारों को चुना था जिसमें पूरे एशिया से सिर्फ आप अकेले चुने गए थे। आपके दो पेंटिंग्स चुने गए थे और आपको अवार्ड देखकर सम्मानित किया था। आज आप इस भारत में इस फाउंडेशन के लाइफ टाईम सदस्य हैं।

भारत की विविध फाउंडेशन ने भी आपको सम्मानित किया है:-

सन 2014 अंतर्राष्ट्रीय कलाव्रत उत्सव, उज्जैन (मध्य प्रदेश) द्वारा '**नेशनल स्वस्ति सम्मान**' से सम्मानित किया गया।

सन 2016 राष्ट्रीय पर्व क्रेयॉन्स, टोंक (राजस्थान) द्वारा 'राष्ट्रीय कला रत्न पुरस्कार' से नवाजा गया।

सन 2017 कोलंबिया बगोटा से रीनकोनसरटे फाउंडेशन द्वारा 'आर्टिस्ट ऑफ द मंथ सन 2017' सम्मानित किया गया।

सन 2019 कला चर्चा जयपुर (राजस्थान)द्वारा 'कला गुरु रविंद्र नाथ ठाकुर सम्मान' से नवाजा गया।

सन 2019 वरुड (महाराष्ट्र) कला जीवन बहू उद्देश्य संस्था द्वारा 'राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार' से नवाजा गया।

सन 2019 कलाव्रत न्यास अंतर राष्ट्रीय कला उत्सव उज्जैन(मध्य प्रदेश) द्वारा 'राष्ट्रीय कला-मनीषी' सम्मान से नवाजा गया।

इसके साथ ही सभी राष्ट्रीय/ जोन पदाधिकारी मुख्य अथितियों द्वारा अपने-अपने सम्बोधन में अपील की, कि समाज की एकता व समाज हित में आवश्यक कदम उठावे तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को महासभा की मुख्य धारा से जोड़े।

सन 2020 कला जीवन बहु उद्देश्य संस्था अमरावती (महाराष्ट्र) द्वारा 'राष्ट्रीय रत्न अवॉर्ड 2020' से सम्मानित किया गया।

म्यूरल कला का भूला बिसरा माध्यम 'सैंड कास्टिंग इन सीमेंट' जिस को जीवंत रखने की कोशिश करते रहे हैं और इस माध्यम का डेमोंसट्रेशंस कला महाविद्यालय तथा कला फाउंडेशन में करते रहे हैं ताकि यह कला जीवंत रहे।

यही भूली बिसरी कला को भारतीय नासा ने आगे बढ़ाने के लिए आपको खोजा और जयपुर की पूर्णिमा महाविद्यालय में भारत के विविध आर्किटेक्ट महाविद्यालय के चुने हुए 50 विद्यार्थियों को आपने यह कला का ज्ञान दिया।

आपने गुजरात ललित कला अकादमी द्वारा और उज्जैन आबू रोड जयपुर टोंक मुंबई पालनपुर की विविध कला संस्था द्वारा आयोजित आर्ट कैंप मैं शिरकत की है जिससे नए फ्रेश विद्यार्थियों ने आपसे कला और कला के गुण सीखें है।

प्रोजेक्ट्स : आपने अब तक विभिन्न प्रकार के विविध माध्यम में म्यूरल के 11 प्रोजेक्ट्स भारत के विविध शहर में किए हैं।

कला शिविर : अब तक करीब 16 कला कैंप में शिरकत कर चुके हैं कला कैंप वरिष्ठ कलाकार के लिए और कला विद्यार्थियों के लिए अपना टैलेंट दिखाना और सीखने का बहुत उपयुक्त वातावरण मिलता है

कला संग्रह : आपकी कला देश विदेश में लोगों ने खूब सराही गयी है और आपके हाथों से रची गई कला प्राइवेट कलेक्शन वडोदरा, वडोदरा टर्मिनल बस डिपो, एक नजर 8 क्लब रेवाड़ी, गुजरात स्टेट ललित कला अकादमी आदि स्थानों पर प्रदर्शित है।

आपका वडोदरा मे स्टूडियो आर्ट गैलरी सेकंड फ्लोर बी ई आई कंपाउंड एलएनटी डायलिसिस सेंटर के पीछे छानी रोड पर स्टूडियो है।

देव और दानवों के युद्ध के दौरान देव पत्नियों ने भी किया था करवा चौथ का व्रत

करवा चौथ का व्रत पुरातन काल से चला आ रहा है। पुराणों और शास्त्रों में उल्लेख मिलता है कि यह व्रत अपने जीवन साथी के स्वस्थ और दीर्घायु होने की कामना से किया जाता है। व्रत का स्वरूप थोड़े फेरबदल के साथ अब भी वही है। लेकिन यह व्रत पति-पत्नी तक ही सीमित नहीं रहा है। असल में तो यह व्रत पूरे परिवार के हित और कल्याण के लिए किया जाता है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चंद्रमा दर्शन के बाद संपूर्ण होता है। यह भारत के पंजाब, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश और राजस्थान में मनाया जाने वाला पर्व है।

करवा चौथ हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार है, वैसे तो यह व्रत विवाहित स्त्रियों के लिए जरूरी माना जाता है। परन्तु अब अविवाहित युवतियाँ भी अच्छे वर की कामना से यह व्रत रखने लगी है। यह व्रत पति-पत्नी के बीच आपसी प्यार और विश्वास को बढ़ाने वाला पर्व है।

पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन सुहागिन स्त्रियाँ गणेशजी की पूजा-अर्चना करती है। करवा चौथ में भी संकष्टी गणेश चतुर्थी की तरह **दिनभर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्घ्य देने के उपरांत ही भोजन करने का विधान है अधिकतर स्त्रियाँ निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं।** इस व्रत को केवल सौभाग्यवती स्त्रियों चाहे किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की हो, इस व्रत को करने का अधिकार है। यह व्रत 12 वर्ष अथवा 16 वर्ष तक लगातार हर वर्ष किया जाता है। इसके पश्चात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियाँ आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। अत: सुहागिन स्त्रियाँ अपने सुहाग की रक्षार्थ इस व्रत का सतत पालन करती है।

भारत में वैसे तो चौथ माताजी के अनेक मंदिर है, लेकिन **सबसे प्राचीन एवं सबसे अधिक ख्याति प्राप्त मंदिर राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के 'चौथ का बरवाड़ा' गाँव में स्थित है।** चौथ माता के नाम पर इस गाँव का नाम बरवाड़ा से ''चौथ का बरवाड़ा'' पड़ गया। चौथ माता के इस मंदिर की स्थापना महाराजा भीमसिंह चौहान द्वारा की गयी थी।

करवा चौथ की कथाएँ:

यूं तो करवा चौथ की कई कथाऐं प्रचलित है। लेकिन ऐसा माना जाता है कि करवा चौथ की परम्परा देवताओं के वक्त से चली आ रही है। कहा जाता है कि देवताओं और दानवों के युद्ध के दौरान देवों को विजयी बनाने के लिए ब्रह्माजी ने देवों की पत्नियों को व्रत रखने का सुझाव दिया था। जिसे स्वीकार करते हुए इंद्राणी ने इंद्र के लिए और अन्य देवताओं की पत्नियों ने अपने पतियों के लिए निराहार, निर्जल व्रत किया नतीजा यह रहा कि युद्ध में सभी देव विजयी हुए और इसके बाद ही सभी देव पत्नियों ने अपना व्रत खोला। उस दिन कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी थी और आकाश में चंद्रमा निकल आया था। मान्यता है कि तभी से करवा चौथ का व्रत शुरू हुआ। यह भी कहा जाता है कि शिवजी को प्राप्त करने के लिए देवी पार्वती ने भी इस व्रत को किया था। महाभारत काल में भी इस व्रत का उल्लेख मिलता है कि गांधारी ने धृतराष्ट्र और कुंती ने पाण्डु के लिए इस व्रत को किया था।

पहली कथा:

सबसे ज्यादा प्रचलित है वीरावती की कथा। दरअसल, रानी वीरावती सात भाईयों की अकेली बहन थी। शादी के बाद जब वह भाईयों के पास आई, तो उसी दौरान एक दिन उन्होंने एक व्रत रखा। हालांकि उन्हें इस कठिन व्रत को निभाने में कुछ मुश्किल हो रही थी। लेकिन उन्हें चन्द्रमा निकलने के बाद ही कुछ खाना था। ऐसे में उनके भाईयों ये उनका यह कष्ट देखा नहीं गया और उन्होंने धोखे से उनका व्रत तुड़वा दिया जैसे ही वीरावती ने खाना खत्म किया उन्हें अपने पति के बीमार होने का समाचार मिला और महल पहुंचने तक उनके पति की मृत्यु हो चुकी थी। इसके बाद पार्वती की सलाह पर उन्होंने करवा चौथ को विधिवत पूरा किया और अपने पति की जिंदगी वापस लेकर आई।

दूसरी कथा:

करवा चौथ के व्रत की उल्लेख महाभारत में भी मिलता है पांडवों पर लगातार आ रही मुसीबतों को दूर करने के लिए द्रौपदी ने भगवान श्री कृष्ण से मदद मांगी, तब श्री कृष्ण ने उन्हें करवा चौथ के व्रत के बारे में बताया, जिसे देवी पार्वती ने भगवान शिव की बताई विधियों के अनुसार रखा था। कहा

जाता है कि द्रौपदी के इस व्रत को रखने के बाद न सिर्फ पांडवों की तकलीफें दूर हो गई बल्कि शक्ति भी कई गुना बढ़ गई थी।

तीसरी कथा:

करवा चौथ के व्रत को सत्यवान और सावित्री की कथा से भी जोड़ा जाता है। इस कथा के अनुसार जब यमराज सत्यवान की आत्मा को लेने आए, तो सावित्री ने खाना-पीना सब त्याग दिया। उसकी जिद के आगे यमराज को झुकना पड़ा और उन्होंने सत्यवान के प्राण लौटा दिये थे।

करवा चौथ अब केवल लोक परम्परा ही नहीं है। पौराणिकता के साथ-साथ इसमें आधुनिकता का प्रवेश हो गया है और अब यह व्रत भावनाओं पर केंद्रित हो गया है। समय परिवर्तन के साथ करवा चौथ के दिन अब **पत्नी ही नहीं पति भी व्रत करते हैं। यह परम्परा विस्तार है, करवा चौथ का व्रत अब सफल और खुशहाल दाम्पत्य जीवन की कामना के लिए किया जा रहा है।** हमारे समाज की यही खासियत है कि हम परम्पराओं में नवीनता का समावेश लगातार करते रहते हैं। कभी करवा चौथ पत्नी के, पति के प्रति समर्पण का प्रतीक हुआ करता था, लेकिन आज यह पति-पत्नी के बीच के सामंजस्य और रिश्ते की ऊष्मा से दमक और महक रहा है। आधुनिक होते दौर में हमने अपनी परम्परा तो नहीं छोडी है अब इसमें ज्यादा संवेदनशीलता, समर्पण, प्रेम और विश्वास की अभिव्यक्ति दिखाई देती है। दोनों के बीच अहसास का घेरा मजबूत होता है, जो रिश्तों को सुरक्षित करता है।

अब पति, पत्नी को ज्वेलरी, कपड़ों या एक्सेसरीज के अलावा प्रॉपर्टी, मेडिकल या लाइफ इंश्योरेंस, एफ्डी, देश-विदेश की यात्रा के पैकेज, गाड़ी तथा फाइव स्टार होटल्स के डिनर वाउचर जैसे उपहार भी देने लगे हैं। करवा चौथ जैसे त्योहार भी बड़े पैमाने पर किसी होटल या विशेष आयोजन स्थल पर किए जाने लगे हैं, लेकिन इसे हम फिजूलखर्ची से नहीं जोड़ सकते, क्योंकि ऐसे आयोजन अधिकांशत: समूह में किए जाते हैं, जहाँ खर्चे आपस में बाँट लिए जाते हैं और किसी एक व्यक्ति पर पूरा भार नहीं आता। इस तरह के आयोजनों से महिलाओं के मनोरंजन एवं आपसी मेलजोल होता हैं वहीं व्रत के दिन घर पर भोजन तैयार करने की समस्या से राहत मिल जाती है। अर्थात् ''एक पंथ, अनेक काज'' सार्थक हो जाते हैं। जैसे साथ मिलकर त्योहार मनाने का मजा, सीमित खर्च में अच्छी सुविधाओं का लाभ, बिना टेंशन के सारा आयोजन हो जाने की सुविधा आदि। मुख्य तौर पर महिला संगठनों तथा समूहों में इस तरह के आयोजन किए जाने लगे हैं। जो कि अच्छी पहल कही जा सकती है।

-सोनम कुमावत, बरकत नगर, जयपुर-302015

मातृ एवं नारी शक्ति समाज गौरव सम्मान समारोह सम्पन्न

अखंड क्षत्रिय कुमावत समाज, उदयपुर द्वारा मातृ एवं नारी शक्ति समाज गौरव सम्मान समारोह और जिला सहकारिता विकास कार्यशाला का आयोजन आलोक स्कूल , पंचवटी, उदयपुर में हुआ। इसके संयोजक एडवोकेट भरत कुमावत, अध्यक्षता उषा अजमेरा प्राचार्य आलोक स्कूल, मुख्य अथिति मीनाक्षी नाहर, विशिष्ट अथिति डॉ हर्षा, अधिवक्ता संगीता वर्मा, पार्षद नेहा कुमावत और अंतरराष्ट्रीय जादूगर आँचल कुमावत थी।

समारोह में मातृ एवं नारी शक्ति समाज गौरव सम्मान से उल्लेखनीय कार्य करने के लिए डॉ रश्मि गोठवाल, डॉ रेखा दाबडिया, अरुण कुमावत, योगेश्वरी अजमेरा, हर्षा झालवाल, शारदा बबेरवाल, डॉ ऋतु टाक, तारा कुमावत, नेहा खंडारिया, नीता भदारिया, हिमांशी गोठवाल, हीना कुमावत, श्रेष्ठा रानी को नवाजा गया।

श्री घनश्याम पटवा 'सर्व मंगल फाउंडेशन फॉर रिसर्च एंड कम्युनिटी डेवलपमेंट' मुख्य वक्ता ने समारोह में समाज की उच्च शिक्षित महिलाऐं जो विवाह के बाद केबल हाउसवाइफ है उन्हें जागृत करने तथा स्व रोजगार व उधमिता की ओर कदम बढ़ाने का आव्हान किया। जिससे उच्च शिक्षा ग्रहण करने का लाभ स्वयं, परिवार व राष्ट्र को मिल पाए तथा आत्मविश्वास से वे घर के बाहर भी अपनी श्रेष्ठता व क्षमता दिखा सके। इस हेतु लघु व कुटीर उद्धयोगों में तैयार माल के सेम्पल भी दिखाए जिन्हें महिलाएं आसानी से करके अपनी आमदनी भी कर सकती है। समारोह में आसान से योग का प्रदर्शन भी किया जिसे नित्य करके स्वस्थ रहा जा सकता है।

सम्मानित सभी मातृ शक्तियों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बहुत-बहुत बधाई। ऐसे उत्कृष्ट आयोजन के लिए आयोजको को भी धन्यवाद।

अखण्ड कुमावत नारी युवाशक्ति संस्था के चुनाव

28 अगस्त, 2021 को अखण्ड कुमावत युवा नारी शक्ति संस्था के चुनावों में निर्विरोध निर्वाचन हुआ। इसमें पुरुष अध्यक्ष श्री हीरालाल बबेरवाल, महिला अध्यक्ष संतोष बालोदिया, सचिव अनिता छाबल्या, महामंत्री अशोक मारवाल, संगठन मंत्री ताराचंद मारवाल व रेखा गैदर, प्रचार मंत्री आशा नागा तथा संरक्षक अरुण कुसुम्बीवाल निर्वाचित हुए। इस अवसर पर कार्यालय का उद्घाटन किया गया व आगे सामाजिक कार्य करने पर चर्चा हुई।

वैवाहिक संबंधों में बिखराव

आज हर तीसरे परिवार में विवाह के कुछ समय पश्चात ही संबंध विच्छेद अर्थात तलाक की आम समस्या देखने को मिल रही है। किन्तु यह एक सामान्य समस्या नहीं है। यदि यही वातावरण रहा तो सोचिए कि आज से दस या बीस वर्ष के पश्चात समाज का क्या स्वरूप होगा तथा वैवाहिक जीवन की स्थिति कितनी विकट तथा शोचनीय होगी? इसलिए इस समस्या का समाधान तथा निराकरण समय रहते अवश्य होना चाहिए। क्या आपने इस बारे में कभी सोचा है? इस समस्या के पीछे किसी एक कारण को उत्तरदायी ठहराना गलत है। आज समाज में युवाओं की जो मनोस्थिति दिख रही है दरअसल यह एक दिन में पैदा हुई नहीं है। इस मानसिकता के कारक (बीज) बचपन से ही बोऐ जाने लगते हैं जो कि आगे चलकर एक विशाल वृक्ष बनकर परिवार तथा समाज में अपनी जड़े जमा लेते हैं। विद्यालयों में बालकों को पहले परिवार से तात्पर्य दादा-दादी, चाचा-ताऊ, माता-पिता तथा बच्चे इस प्रकार से सिखाया जाता था। वहीं आज शिक्षा में भी बच्चों को परिवार का अर्थ एकल स्वरूप में बताया जाता है अर्थात् आज पुस्तकों में बच्चों को पढ़ाया जाता है कि परिवार का तात्पर्य माता-पिता तथा बच्चे हैं। वास्तविक जीवन में देखें तो यही स्थिति देखने को मिलती है। आज अधिकांशत: एकल परिवारों का ही बाहुल्य है। बचपन से स्वयं के हितों तक सीमित रहने वाले बच्चें माता-पिता के साथ रहते हुए इसी हद तक रिश्ते निभाना सीख पाते हैं। मिलजुल कर रहना, त्याग करना, मिल बाँट कर खाना जैसी प्रवृत्ति उनमें पनप ही नहीं पाती है। इस कारण अधिकांश लड़कियां विवाह के उपरान्त ससुराल में अन्य सदस्यों के साथ समन्वय नहीं बैठा पाती। आजकल बच्चे सामाजिक दायित्वों तथा आचरण के ज्ञान से वंचित हैं। इसका कारण सामाजिक कार्यकलापों में हिस्सा लेने में अरुचि है। इसके अतिरिक्त आजकल के माता-पिता बच्चियों को शिक्षित करके आत्मनिर्भर तो बना देते हैं मगर उनमें संस्कार डालना भूल जाते हैं। जबकि संस्कार ही विवाह के बाद परिवार को बांधने में सहायक होते हैं।

आज के समय में जब माता-पिता अपनी बेटी के लिए रिश्ता ढूंढते हैं तो चाहते हैं कि उनकी बेटी को छोटे से छोटा परिवार मिले, उसे घर का काम-काज नहीं करना पड़े, मनचाहे कपड़े पहनने की छूट हो तथा वह नौकरी करने के लिए स्वतंत्र हो। ऐसे माता-पिता को यह समझना चाहिए कि इस प्रकार की शर्तों पर एक सुखद परिवार की नींव नहीं रखी जा सकती। यदि लड़के अर्थात् वर के विषय में बात की जाए तो हमारी सोच आज भी वहीं की वहीं हैं जहां सालों पहले हुआ करती थी। लड़का अच्छे घर का तथा संस्कारी होना चाहिए। उसे सिगरेट, शराब, नशा या किसी प्रकार की अन्य कोई लत या संगत ना हों। लड़का आवारा नहीं हो तथा लड़के की सैलेरी भी लाखों में हो। 40-50 हजार तनख्वाह में हमारी बेटी गुजारा कैसे करेगी? ऐसे माता-पिता से मेरा यही कहना है कि पहली बात तो ये कि **यदि आप अपने पुत्र के लिए वधु तलाश करते समय भी क्या समान विचार रखेंगे? क्या इसी सोच का अनुसरण करते हुए आप अपनी पुत्र वधु को सारे अधिकार देंगे? क्या आपके पुत्र में ये सभी गुण विद्यमान हैं जो आप दामाद में ढूंढ रहे हैं?** दूसरी तथा सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यदि ऐसा है तो यह आपके दिए गए संस्कारों की त्रुटि है। यदि आपकी बेटी सुसंस्कृत होती तो थोड़े में भी गुजारा करना जानती। वह परिस्थितियों के साथ सामन्जस्य बैठाने की कला को समझती और फिर आपकी शर्तों के अनुसार कमाने तो आपकी बेटी जाएगी ही तो लड़का बेरोजगार हो या कम वेतन लाता हो इससे क्या फर्क पड़ता है। कहने का **तात्पर्य यह है कि माता-पिता की इस प्रकार की विचारधारा के कारण आज कई घर टूट रहे हैं। इसके अतिरिक्त एक महत्वपूर्ण कारक यह है कि आज बेटियों को पढ़ा लिखा कर उनके पैरों पर खड़ा करने के पश्चात माता-पिता उन्हें यह कहते हैं कि अब तुम आत्मनिर्भर हो, कभी किसी के आगे झुकना मत, परिस्थितियों से समझौता करने की कतई आवश्यकता नहीं है,** तुम आत्मनिर्भर हो और कोई भी निर्णय लेने में घबराना मत, हम हमेशा तुम्हारे साथ खड़े हैं। यही समर्थन लड़कियों को विवाह के पश्चात ससुराल से यानि पति के परिवार से आत्मीय तौर पर जुड़ने नहीं देता तथा वे सही या गलत की परवाह किए बगैर निजी स्तर पर जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं कर लेती है जबकि आदर्श माता-पिता वे होते हैं जो ये शिक्षा देते हैं कि अपनी शिक्षा तथा हमारे संस्कारों के समन्वय से अपने परिवार को एक आदर्श तथा सुखी परिवार बनाना। जिस प्रकार तुम्हारी माता ने इस परिवार को बांध कर रखा वैसे ही तुम अपने परिवार को बांधकर रखना। जब कभी कोई भी पारिवारिक समस्या हो या छुट-पुट मन मुटाव हो तो बाहर वालों को कभी बोलने का मौका मत देना, चाहे वे तुम्हारे माता-पिता ही क्यों न हों। ऐसी संस्कारित लड़कियां कभी भी छोटी-छोटी समस्याएं होने पर दौड़कर मायके नहीं आएंगी। किसी भी परिवार की कल्पना करने पर हमारे जेहन में एक ही व्यवस्थित स्वरूप सामने आता है जिसमें पुरुष कमाते हैं, परिवार के सदस्यों का भरण पोषण करते हैं, अपनी संतान को पढ़ाते-लिखाते हैं तथा परिवारजनों को पालते हैं वहीं महिलाएं घर का काम काज

करती हैं, सबके लिए भोजन बनाती हैं, अपनी संताने को पालती है और अपनी गृहस्थी को सम्भालती है। इस प्रकार परिवार में सबके कार्य व दायित्व निश्चित होते हैं।

आज स्त्री शिक्षा तथा महिला जागृति में सुधार आने से महिलाएं **रोजगार** की ओर अग्रसर हुई हैं। स्त्रियों को अपने पैरों पर खड़े होने का पूर्ण अधिकार है। मैं पूर्णत: स्त्रियों के रोजगार करने के पक्ष में हूँ किन्तु आजकल की महिलाओं की मानसिकता विचित्र सी हो गयी है। उन्हें आजादी तथा आत्मनिर्भरता का तात्पर्य बस नौकरी में ही नजर आता है। आज की महिलाएं अपने दायित्वों से विमुख होती जा रही हैं यहां तक कि अपने बच्चों की जिम्मेदारियों का निर्वाह करने में भी माताएं असफल हैं। जबकि रोजगार आपका आत्मविश्वास बढ़ाता है, समाज में सिर उठा कर जीने का हौंसला देता है वहीं परिवार आपका संबल है, जीवन का आधार है। ऐसा नहीं है कि पहले महिलाएं नौकरी नहीं करती थी परन्तु वे नौकरी तथा परिवार के बीच समन्वय तथा सामन्जस्य बना कर चलती थीं। घर की जिम्मेदारियां भी बखूबी निभाती थीं। आत्मनिर्भर होने के लिए संघर्ष तथा मेहनत करनी पड़ती है। महिला यदि जॉब करती है तो यह कतई ना सोचें कि पूरा परिवार उस पर निर्भर है। आत्मविश्वास तथा अंध विश्वास में अंतर को आज की पीढ़ी नहीं समझ पा रही। इस वजह से हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान अन्तत: संबंध-विच्छेद ही नजर आने लगा है। परिवार की आवश्यकता सबको होती है। परिवार जीवन की धुरी है ना तो माता-पिता सारी जिन्दगी का संबल बन सकते हैं ना ही अकेले सिर्फ पैसे के सहारे उम्र काटी जा सकती है। ज्यादा आजादी भी कभी-कभी इंसान को गुमराह कर देती है, परिवार के दायरे में सुरक्षा है, सुकून है तब खुशहाल जीवन है। इस बात को यदि युवा पीढ़ी समझ ले तो रिश्तों में दरार आने से बचा जा सकता है। इसके अतिरिक्त पारिवारिक संबंधों में टकराव आने के तथा विवाह संबंध टूटने के पीछे एक महत्वपूर्ण कारण **इंटरनेट सुविधाओं** का तेजी से विस्तार होना भी है। संवाद की सुगमता ने पारिवारिक रिश्तों तथा संबंधों पर किसी ना किसी रूप में बहुत प्रतिकूल प्रभाव डाला है। आज हम भौतिकता के जाल में इतने अधिक घिर गये हैं कि मानव मस्तिष्क भी मशीनों की भांति सोचने लगा है। 'परहित' की अपेक्षा 'स्वहित' की भावना मनुष्य में बढ़ रही है। आपसी प्रेम, लगाव तथा समर्पण के स्थान पर स्वार्थ तथा अहम् की भावना दिलों में घर करती जा रही है। इन्हीं सब कारणों से दाम्पत्य जीवन में बिखराव की घटनाएं दिनों-दिन तेजी से बढ़ती जा रही हैं। इस सामाजिक समस्या पर अंकुश अत्यन्त आवश्यक है नहीं तो आने वाले समय में सामाजिक ढाँचा बहुत ही विकृत तथा सोचनीय हो जाएगा।

-उर्वशी बालोदिया

स्व. श्री भौंरी लाल वर्मा (मास्टर जी)

... पृष्ठ 18से आगे

किया जिससे छात्र नि:शुल्क पुस्तकें लेकर उन्हें पढ़कर लौटा सकते थे। आप बाल निवास तथा सोडाला स्कूल में ट्रस्टी रहे।

आपने विवाह योग्य युवक-युवतियों का एक रजिस्टर बनाया जिसमें उपयोगी सूचनाएं संधारित की जिसका लाभ समाज को मिला। आप विवाह पर अनावश्यक खर्च एवं मृत्युभोज के विरोधी रहे। आप सामाजिक समस्याओंके समाधान हेतु सामाजिक संस्थाओं के पक्षधर थे तथा आपने भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा, जयपुर सभा, महिला संघ, युवासंघ आदि के परामर्शदाता व अन्य पदों पर रहे। मास्टरजी कर्तव्य परायणता की मूर्ति थे, आपकी कथनी व करनी में कोई भेद नहीं था।

गरीब व जरूरतमंद छात्रों के प्रति उनके मन में सदैव मद की इच्छा रहती है। एक दृष्टान्त है, एक दिन एक छात्र उनके पास आया व कहा कि गुरुवर आज परीक्षा के फार्म भरने की अंतिम तिथि है व उसके पास फीस की व्यवस्था नहीं है। तब मास्टरजी ने अपनी माताश्री के श्राद्ध के लिए रखी राशि अपनी पत्नी से मंगवाकर उस छात्र को दे दी एवं अपनी पत्नी से कहा कि आज रोजाना की तरह 'अग्नि पर भोग लगा कर' माताजी को श्राद्ध की रस्म पूरी कर दो। ऐसे थे हमारे मास्टरजी।

मास्टरजी ने एक सच्चे गुरु के रूप में शांत व सुखद शैक्षणिक वातावरण दिया। आप सहृदय समाजसेवक, समर्पित एवं सरल स्वभाव के एक प्रगतिशील चिंतक के रूप में समग्र गुणों से भरपूर व्यक्ति थे। ऐसे कर्मयोगी एवं ऐसी विभूति से कुमावत समाज गौरवान्वित हुआ था। गोविन्द देव जी के भक्त तथा सादा जीवन उच्च विचार के धनी श्री भौंरीलाल देवतवाल (मास्टर/काकाजी) का 24 सितम्बर, 1983 को निधन ने हमसे एक अच्छा मार्गदर्शक छीन लिया था।

आओ, हम सभी उनकी शिक्षाओं व मार्गदर्शन पर चलने का सद्प्रयत्न करें। '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका परिवार उन्हें सादर नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

रमेश कुमावत (गैदर), से.नि. उपायुक्त राज्य कर,
अध्यक्ष 'कुमावत इंडिया' पत्रिका

संजय छापोला शहीद

चुरू जिले की तारानगर तहसील के गांव देवगढ़ निवासी, समाज की शान बीएसएफ जवान संजय छापोला भारत माता की रक्षा करते हुये शहीद हो गये। समाज के शहीद संजय छापोला की **शहादत को सादर नमन।**

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

20 अगस्त श्रीमती लल्ली देवी धर्मपत्नी श्री लल्लू बधानिया, जयपुर
21 अगस्त श्री राधाकिशन देवतवाल, इन्द्रपुरी कॉलोनी, इन्दौर
26 अगस्त श्रीमती सन्ती देवी धर्मपत्नी स्व. श्री सेडूराम कारगवाल, जयपुर
27 अगस्त श्रीमती संज्या देवी धर्मपत्नी श्री मुरलीधर बासनीवाल, जयपुर
29 अगस्त श्री प्रभुदयाल पालड़ीवाल, नन्द नगर, ब्यावर
30 अगस्त श्री ब्रजमोहन वर्मा (छापोला) पुत्र स्व. श्री घासीलाल, जयपुर
31 अगस्त श्रीमती वाथी देवी भोपा की ढाणी बेगस, जयपुर
31 अगस्त श्रीमती लाडा देवी, धर्मपत्नी रामचन्द्र घोड़ेला, गोविन्दगढ़, जयपुर
1 सितम्बर श्री ब्रजमोहन छापोला, मिश्र राजाजी का रास्ता, जयपुर
1 सितम्बर श्री नान्छीलाल तुनगरिया, जय भवानी कॉलोनी, जयपुर
2 सितम्बर श्री मदनलाल होदकास्या, भगत वाटिका, जयपुर
2 सितम्बर श्रीमती विनय देवी धर्म पत्नी स्व. श्री राजप्रकाश राजोरिया, निवारू
3 सितम्बर श्रीमती छगनी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री जगदीश मारोठिया, इंदौर
3 सितम्बर श्रीमती संतोष देवी धर्मपत्नी श्रीमान सिंह घोड़ेला, जयपुर
3 सितम्बरश्रीमती चौथी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री लाल चन्द अजमेरा, जयपुर
3 सितम्बर श्री छीतरमल मारवाल, मांचड़ा, जयपुर
4 सितम्बर श्री नानालाल सिंघनवाल, भुबाणा, उदयपुर
6 सितम्बर श्रीमती मांगी देवी धर्मपत्नी श्री रामपाल (मारवाल) सीकर
6 सितम्बर श्री गोपाल लाल धुंधारिया नीदड़, जयपुर
7 सितम्बर श्री रामनारायण निराणिया, कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर
7 सितम्बर श्री सूरजमल कारगवाल, आमेरिया बगरू, जयपुर
9 सितम्बर श्री चुन्नीलाल सिरस्वा, श्रद्ध श्री कॉलोनी, इंदौर
9 सितम्बर श्रीमती संतोष कुमावत धर्मपत्नी श्री अमित कुमार घोड़ेला, जयपुर
9 सितम्बर श्रीमती राधा देवी (रामप्यारी देवी) धर्मपत्नी घनश्याम अनावड़िया,जयपुर
10 सितम्बर श्री हरीश कुमावत मण्डीवाल, निवासी मंदिरपुर, उज्जैन (म.प्र.)
3 सितम्बर श्रीमती सरोज बराड़िया धर्मपत्नी श्री महेश बराडिया, इंदौर
4 सितम्बर श्री शिवराम जी, सिलवाड़िया पंचायत सिरोल केशरीपुरा, इंदौर
13 सितम्बर श्री देवेश पुत्र श्री परसराम कुमावत (पार्षद) महरावण्डिया, टोंक
14 सितम्बर श्री रामप्रसाद कुमावत पुत्र स्व. श्री गोकुलराम मारवाल, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर	
प्रशांत	B.Tech(Elec.)	-	14.7.95	5'9''	कारगवाल	मारोठिया	नागा	किरोड़ीवाल	9983794286	-
पप्पूराम	M.A., B.Ed.	LDC Govt. job	15.6.92	5'10''	बालोदिया	जलान्दरा	निरानिया	घोड़ेला	9783509570	नागौर
टीकम	12th passed	Workshop	4.8.92	6'0''	कुंडलवाल	मारवाल	राजोरिया	सिंगाठिया	9829907498	जयपुर
रामअवतार	12th passed	Studio& Handicarft	1.1.94	5'0''	भौरोंदिया	मारवाल	राजोरिया	बबेरीवाल	9782599018	चौमूं
रामधन	B.Tech.	Private (25,000)	9.11.93	5'8''	घोड़ेला	खोराणिया	तोंदवाल	मारोठिया	9950849427	जोबनेर
हिमांशु	M.C.A.,CS	Self Business	26.10.94	5'8''	जायलवाल	कैकटिया	मारोठिया	बनेवडिया	8279240956	ज्यावर
प्रियांशु	B.Tech.(CS)	Soft. Developor	14.10.93	5'11''	जलान्दरा	गरहवाल	खोरानिया	घोड़ेला	7742227000	जयपुर
अंकित	ITI	HMT	12.3.2000	5'3''	नोखवाल	पारमवाल	कुकड़वाल	अनावड़िया	9460090317	अजमेर
महेश	M.Com.	Self Business	18.6.91	5'9''	बालोदिया	कडेरीवाल	मारवाल	नीमीवाल	9950708704	जयपुर
तरुण	B.A. Dip.civil	Private	25.6.94	5'8''	राजोरा	देवतवाल	धुंधारिया	किरोड़ीवाल	9887166896	जोबनेर
हिमांशु	B.Sc.	DEO at Reliance	11.7.99	5'5''	कुदाल	सिरस्वा	जलान्दरा	सारड़ीवाल	9001441207	दूदू, जयपुर
विकास	Dip. Enginerry	Bussiness	4.11.94	-	सिंगाठिया	किरोड़ीवाल	सुवता	मारवाल	9664009274	जयपुर
देवेन्द्र	Diploma (Elect.)	Private job	24.11.93	5'8''	कण्डेरीवाल	घोड़ेला	मियाणीया	अनावड़िया	8769734177	जयपुर
लवनीश	M.Com.	IT sector(7 lack)	7.7.91	5'9''	खड़गटा	खोवाल	घोड़ेला	अनावड़िया	8742068074	जयपुर
रामेश्वर	M.A,. Bed.	(Divorce)	1.1.86	5'10''	बालोदिया	जलान्दरा	निरानिया	घोड़ेला	9001808126	कुचामन
नीतेश	B.Com.	Currier pvt.	14.1.91	5'8''	मामोडिया	कुदीवाल	किरोड़ीवाल	राणोनिया	9314802397	जयपुर
अनिरुद्ध	B.Tech.	Compition	13.11.96	5'8''	मारोठिया	सिरोहिया	कुण्डलवाल	लाज़्बा	9828103125	जयपुर
पवनप्रकाश	M.Sc., B.Ed.	Govt. Lecturer	31.5.88	5'7''	नागा	सिंघनवाल	राजोरा	दज़्बीवाल	9982316851	अजमेर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर	
सुरभी	BBA, M.Com.	-	3.10.94	5'5''	खोरानिया	मारवाल	रेवाड़िया	जालवाल	9460557402	जयपुर
पूजासिंह	B.A.	-	1.4.88	5'5''	कारगवाल	सिरोहिया	नरानिया	सिरस्वा	9829062596	जयपुर
प्रिया	M.C.A.	competition Exm.	25.9.95	5'2''	बड़ीवाल	बबेरीवाल	कुदीवाल	मारवाल	9887149797	जयपुर
पायल	MA	-	8.5.98	5'4''	राजोरिया	बबेरीवाल	जलान्दरा	कुदीवाल	8233132392	जयपुर
अनुभा	M.Com.	-	25.3.93	5'3''	बालोदिया	बबेरीवाल	अजमेरा	कारगवाल	9414250972	जयपुर
किरन	M.Com.	Govt. Account ass.	20.4.94	5'3''	पड़लाया	घोड़ेला	माचीवाल	बारावाल	9352492818	जयपुर
नीलू	M.A.	-	15.9.94	5'3''	सिरोहिया	अजमेरा	धुंधारिया	छापोला	8302341694	-
अर्चना	M.A. DrDHYS	-	15.8.90	5'3''	घोड़ेला	खटोड़	सिरसवा	जलान्दरा	9166685597	जयपुर
डॉ. चचल	शिली BHMS	Self Employed	30.7.83	5'4''	मोखार	कुसुज़्बीवाल	शोकल	उडीवाल	9414584280	इन्दौर
तज़्मना	M.Sc.. B.Ed.	-	3.3.94	5'4''	कोलगूरिया	लोहरवाड़िया	बबेरीवाल	मारोठिया	9413419109	जयपुर
नीशा	M.Com.	-	5.8.97	5'2''	सिरस्वा	बबेरीवाल	दादरवाल	रामोठिया	7742028577	झुंझुनूं
हिमांशी	IIT,MA	-	30.7.2000	5'3''	तुनगरिया	दौराया	देवतवाल	घोड़ेला	9602755572	जयपुर
रेखा	M.A.	Teacher (Private)	13.8.92	5'4''	मारोठिया	दज़्बीवाल	नागा	किरोड़ीवाल	92149211342	मदनगंज
मनीषा	M.Com. (ABST)	-	14.7.93	5'3''	बबेरीवाल	माचीवाल	देवतवाल	सिरस्वा	9828390772	जयपुर
निकिता	M.B.A. Finance	Pricate	20.8.92	5'0''	घोड़ेला	आसीवाल	खोराणिया	मामोड़िया	9826699607	इंदौर
डिज़्पल	M.A.,PGDCA	Private	19.6.88	5'1''	बबेरीवाल	धुमुनिया	कैज़्टया	तूंदवाल	7877385443	जोधपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्रीः- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika @gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें। -सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 23 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत कर हमें सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

विनम्र निवेदन

हमारे पूर्वज जमीन, जायदाद, सोना, चांदी आदि अमूल्य सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग चले जाते हैं। हम व्यस्तता के कारण उनकी चिरस्मृति बनाये रखने में असमर्थ हो जाते हैं। कुमावत इण्डिया पत्रिका समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

-: विशेष निवेदन :-

1. शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ कुमावत अवश्य लगाएं। क्योंकि गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।
2. इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत की एक लाईन में श्रद्धांजलियाँ निःशुल्क प्रकाशित की जाती है इस हेतु पत्रिका के कार्यालय को सूचित करने का कष्ट करें।

सदस्यता समाप्ति सूचना

तीन वर्षीय सदस्य मार्च 2021 तक क्र.सं. 1 से 372 तक की सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीयनगर**-श्रीचन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास

108 श्री हनुमत चरित्र कथा आयोजन

हरिनाम संकीर्तन परिवार के तत्वाधान में 29 जून 2021 से श्री हनुमत चरित्र कथा शृंखला आदरणीय **अंकिचन महाराज** के द्वारा प्रारम्भ की गयी। श्री अंकिचन महाराज ने कहा कि **'हनुमान चालीसा'** जीवन जीने की कला सिखाती है, इसकी चौपाइयों में जीवन का दर्शन समाहित है। हनुमान जी ने बड़े-बड़े कार्य सम्पन्न किये पर अभिमान लेशमात्र भी नहीं रहा, वे सदैव छोटे बनकर ही रहे तथा वे श्रीराम प्रभु का सेवक बनकर रहे परन्तु कभी इसे नहीं जताया। इस कारण वे परमपद पर प्रतिष्ठित हुए।

अंकिचन जी महाराज ने चौपाई, **''नासै रोग हरे सब पीरा, जपत निरन्तर हनुमत बीरा''** की व्याख्या करते हुए कहा कि अगर कोई इंसान हनुमान चालीसा का पाठ रोजाना मन से करता है तो रोगों-कष्टों से छुटकारा मिल जाता है, किन्तु यह सब निरन्तरता व नियमितता से ही होगा। इसी प्रकार चौपाई, **'साधु संत के तुम रखवारे, असुर निकन्दन राम दुलारे।'** की व्याख्या में कहा कि हनुमान जी सज्जनों व साधना के मार्ग पर चलने वालों की सदैव रक्षा करते हैं। वहीं असुर प्रवृत्ति वालों का नाश करते हैं। चौपाई **'राम दुआरे तुम रखवारे, होत न आज्ञा बिन पैसारे'** की व्याख्या में कहा कि हनुमानजी महाराज उनकी रक्षा करते हैं जो उनके आराध्य रामजी के शरणात होता है, इसलिए अपने आपको भगवान श्रीराम की भक्ति में समर्पित कर दो और अपने घर को रामद्वारा (रामजी का घर) मान लो। यह चौपाई हमें अभिमान छोड़ने की प्रेरणा देती है।

राकड़ी में आयोजित कथा में **'सब सुख लहै तुम्हारी शरणा, तुम रक्षक काहे को डरना'** चौपाई की व्याख्या करते हुए कहा कि जो भी हनुमान जी की शरण में आता है उसे सभी प्रकार का आनन्द प्राप्त होता है जिसके रक्षक स्वयं हनुमानजी हो वह सदा अभय रहता है। श्री कृष्ण के अनुरोध पर हनुमानजी अर्जुन के रथ की ध्वजा पर विराजमान होकर उसकी रक्षा की थी।

दयानन्द कॉलोनी, टोंक रोड पर चौपाई, **'महावीर विक्रम बजरंगी कुमति निवार सुमति के संगी'** की व्याख्या करते हुए बताया कि हनुमान जी विशेष पराक्रम वाले हैं, वे खराब बुद्धि को दूर करते हैं और अच्छी बुद्धि वालों के साथी-सहायक हैं। आज सारी समस्याओं की जड़ दुर्बुद्धि है। जोरावर सिंह गेट पर कथा में इस चौपाई की आगे व्याख्या करते हुए कहा कि हनुमान जी वीरता की साक्षात प्रतिमा है, बड़े से बड़ा शूरवीर इनका भक्त है। हनुमान जी ने काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर आदि शत्रुओं पर विजय पायी थी। इसलिए इन्हें महावीर कहते हैं। हनुमानजी हमारी बुद्धि को श्रेष्ठ बनाते हैं। श्री हनुमत चरित्र कथाएं कुमावतान ढाणी, मुहानामोड़, सांगानेर, जयपुर, सिद्धार्थ नगर, मालवीय नगर, जयपुर, विद्युत नगर, अजमेर रोड जयपुर, रांकड़ी सोडाला, जयपुर पर भी आयोजित की जा चुकी हैं तथा यह क्रम जारी है।

मनोज कुमावत को पीएचडी की उपाधि

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा मनोज कुमावत को **'प्रबंध शिक्षा और अहर्ता फ्रेमवर्क'** विषय में अध्ययन करने पर पीएचडी की उपाधि दी गयी। मनोज ने अपना अध्ययन प्रो. करुणेश सक्सेना के निर्देशन में पूरा किया। पीएचडी के विषय पर काम के दौरान मनोज ने कौशल और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार में परामर्शदाता रहते हुए आईएलओ कार्यशाला, साउथ अफ्रीका में भारत का प्रतिनिधित्व भी किया। यह कार्य उन्मुख शोध देश में अहर्ता फ्रेमवर्क पर किया गया अग्रिणी शोध है। कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से बधाई।

राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप

कविता कुमावत को ब्रोंज मेडल

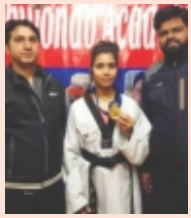

गोवा में 26 अगस्त से 29 अगस्त तक आयोजित हुए राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में राजस्थान की टीम से RDS टीम द्वारा कविता कुमावत ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया जिसमे कविता कुमावत को ब्रोंज़ मेडल से जीत हासिल की, राजस्थान किकबॉक्सिंग ऑर्गनाइजेशन के सचिव पुष्प इंद्र गुर्जर ने बताया कि राजस्थान के जयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र किशनगढ़ रेनवाल तहसील के ग्राम लूनियावास कि कविता कुमावत ने अब तक राष्ट्रीय स्तर व राज्य स्तर पर 20 मेडल प्राप्त कर चुकी है जिसमें 8 गोल्ड 10 सिल्वर 2 ब्रोंज मेडल है।

चतुर्थ पुण्यतिथि

शत् शत् नमन

स्व. श्रीमती मिन्टो देवी
बैकुण्ठधाम 22.9.2017

स्व. श्री वीरसेन जी मारोठिया
(म्यूजियम असिस्टेंट एवं आर्टिस्ट)
एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर
बैकुण्ठधाम 13. 8. 2017

कर्म, वचन और व्यवहार से जो हर मन में जगह बनाते हैं,
दूर चले जाने के बाद भी वो सदा साथ रहते हैं।

श्रद्धानवत

सुरेन्द्र-उषादेवी (पुत्र-पुत्रवधू), चन्द्रमोहन (सचिव, राजस्थान श्रमजीवी पत्रकार संघ) (पुत्र), श्रीमती तारा देवी-स्व. श्री संतोष घोड़ेला (बहन-बहनोई) स्व. लालचन्द मारोठिया (चाचा), रामनारायण, गोपाल, देवकीनन्दन (भ्राता), हेमराज-छोटेलाल (भतीजे), तनिष्क, राहुल, रोहित, अंशुल, हर्षित, चिन्टू (पौत्र), दर्श (पड़पौत्र), श्रीमती पूर्णिमा-श्री रमेश ब्याड़वाल, श्रीमती अन्नू-श्री कैलाश देवतवाल (पुत्री-दामाद), श्रीमती जया-श्री हेमन्त कुलचाणिया (दोहिती-दामाद) विजयन्त, यशवन्त, मोहित (दोहिते), कृतिका (दोहिती)

चुनरी पक्ष : श्री सुमेर चन्द मण्डावरा-श्रीमती सीता देवी (भाई-भाभी), विनोद-चन्दा, तरुण-विनिता, अमित-ऋतु, हितेश-कंचन एवं समस्त मण्डावरा परिवार, श्रीमती दमयन्ती-स्व. श्री चन्दालाल बालोदिया (बहन-बहनोई), जितेश-हेमा, नीरज बालोदिया।

चाइल्ड बड्स स्कूल, शिल्प कॉलोनी, खातीपुरा रोड, झोटवाड़ा, जयपुर, मो.: 9314820385

डीपीएस तबीजी में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस

5 सितंबर 2021 को तबीजी अजमेर स्थित डीपीएस विद्यालय ने अपने शिक्षकों का सम्मान करते हुए शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया। साथ ही विद्यालय के संस्थापक श्रीमान शशि पाल जी कुमावत का जन्मदिन पर सभी ने उनको शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जगदीश चंद्र शर्मा (आई.पी.एस.) एस.पी. अजमेर व विशेष अतिथि कैलाश चंद शर्मा(आर. ए.एस.) अतिरिक्त जिलाधिकारी अजमेर, श्री मुरारी लाल वर्मा (आर. ए.एस.) अतिरिक्त जिलाधिकारी अजमेर ,श्री पार्थ शर्मा आर. पी. एस. अधिकारी अजमेर ट्रैफिक व अन्य अतिथि प्रोफेसर लक्ष्मी ठाकुर व प्रोफेसर सुब्रतो दत्त एम.डी.एस. यूनिवर्सिटी अजमेर, श्री एन.के.भटनागर सुप्रिडेंट इंजीनियर ए.वी.वी.एन.एल. अजमेर, श्री बी.एस. जनागल (आर. ए.एस.) एस.डी. एम. रुपनगढ़ , श्री पी. सी. कुमावत , श्री रमेश कुमावत व श्री सी. एम. कुमावत रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती वंदना व दीप प्रज्वलित कर किया गया। विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई वीडियो व पीपीटी का प्रदर्शन किया गया। शिक्षक गण के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया । विद्यालय संस्थापक श्री शशि पाल जी कुमावत व प्रधानाचार्य डॉ. नीरु पाठक द्वारा उपहार देकर शिक्षक गण को सम्मानित किया गया । छात्राओं ने शिक्षक गण के लिए टाइटल व कार्ड बनाएं । शिक्षक गण ने नृत्य ,गीत व कविता की प्रस्तुतियां दी। शिक्षक दिवस व संस्थापक के जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर खुशी मनाई गई। साथ ही खेलों में पुरस्कार प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की संचालक सुश्री शुभ्रा बाँगड ने बताया कि इसके उपरांत सभी के लिए विशेष राजस्थानी भोजन का आयोजन किया गया ।

मुकेश कुमावत 'राज सम्मान ट्रॉफी' से सम्मानित

भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) के अभिकर्ता श्री मुकेश कुमावत बोराज जो **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका के प्रतिभावान एवं युवा लेखक भी है उन्हें 15 अगस्त 2021 (आजादी के अमृत महोत्सव) को LIC मण्डल कार्यालय जयपुर-2 के SDM श्री पी.सी.मिश्रा द्वारा दुपट्टा पहनाकर ONE DAY WONDER STAR के खिताब के साथ गोल्ड मैडल से सम्मानित किया गया साथ ही 15 सितंबर 2021 को LIC सांभरलेक के शाखा प्रबंधक श्री सी. एल. गहलोत व ABM श्री सुरेन्द्र कुमार द्वारा राज सम्मान ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। LIC में श्रेष्ठ प्रर्दशन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में CLIA श्री खेमराज कुमावत का योगदान भी रहा। श्री कुमावत को LIC से **'राज सम्मान ट्राफी'** मिलने पर बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

बधाई

चार्टेड अकांउंटेंट बनने पर लाडले

श्री हिमांशु कुमावत को हार्दिक

बधाई एवं शुभकामनाएं

कड़ी मेहनत एवं सच्ची लगन से चार्टेड अकांउंटेंट बनकर कुमावत समाज एवं परिवार का नाम रोशन करने पर परिवार, रिश्तेदारों एवं मित्रगणों द्वारा बहुत बहुत बधाई।

शुभेच्छु

दादी-दादा : श्रीमती तारादेवी-स्वर्गीय श्री लालचंद तुनगरिया, **माता-पिता :** श्रीमती सोमा-श्री अशोक तुनगरिया (निजी सहायक-मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान), **चाची-चाचा :** दिनेश-बसंती, गोपीचंद-शारदा, **बुआ-फूफाजी :** बीना-प्रभूजी खुरानिया, माया-सीतारामजी धुमोनिया (राज. पुलिस, राजभवन), शारदा-राजेश जालवाल(शिक्षा विभाग एवं एल ए एफडी), **बहन-भाई :** सोनम, चंद्रेश, प्रतीक, तुषार कुमावत एवं समस्त तुनगरिया परिवार एवं मित्रगण

ननिहाल पक्ष : नानी-नाना : श्रीमती मनफूली देवी-धनश्याम मारवाल, **मामी-मामा :** श्रीमती माधुरी-कैलाश, श्रीमती सुशीला-धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री गुलाबचंद, **मौसी-मौसा :** श्रीमती हरिदेवी-कन्हैयालाल बालोदिया, श्रीमती पुष्पा-नेमीचंद बसवाल, श्रीमती शीला-कमल कारगवाल

निवास : अशोक कुमावत , प्लाट नम्बर 13, किसान मार्ग, टोंक रोड, गट्टे के सामने, जयपुर-302015 (मो.) 9929698005

28वीं पुण्यतिथि
7 अक्टूबर, 2021

स्व. 7.10.1993

स्व. 9.4.1999

22वीं पुण्यतिथि
9 अप्रेल, 2021

भौंरीलाल धुंधारिया (भंवर जी) श्रीमती भँवरी देवी

श्रद्धासुमनांजलि अर्पित करते हैं

श्रृद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु : लालचंद-विमला, सुरेश-अनिता, पुत्री-दामाद : डॉ. नेमीचंद घोड़ेला-रुकमणी, मोहनलाल रेणीवाल-शांति, प्रेमनारायण घोड़ेला-इंदिरा पौत्र-पौत्रवधु : आदित्य-नेहा, राहुल, नीरज, दोहित्र-दोहित्र वधु : मोहनलाल घोड़ेला-सुनीता, नवीन घोड़ेला-लक्ष्मी, कृष्ण गोपाल रेणीवाल-श्रुती, कमल किशोर रेणीवाल-पिंकी, रवि रेणीवाल-रजनी, पवन घोड़ेला-मधु, दोहिती-दामाद : चन्द्रकान्ता-नरेन्द्र आसीवाल

बी-137बी, आनन्दपुरी, मोती डूंगरी रोड, जयपुर मो. 9414335998
27, शिव विहार, महाराणा प्रताप रोड, जयपुर मो. 72129924039

30वीं पुण्यतिथि
8 सितम्बर, 2021

स्व. श्री नवरतन वर्मा
संस्थापक पत्र ट्रस्ट
स्व. 8.9.1991

स्व. श्रीमती रुकमणी देवी
स्व. 15.7.2000

21वीं पुण्यतिथि
15 जुलाई, 2021

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु
कर्नल चन्द्र प्रकाश वर्मा-उषा वर्मा,
कर्नेल वर्मा-मीना वर्मा
जरनेल वर्मा-रेखा वर्मा
पौत्र-पौत्रवधु एवं खरनारिया परिवार

95-नेमी सागर कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर
मो. 9829180069 फोन नं. 0141-2358942

20वीं पुण्यतिथि
22 सितम्बर, 2021

स्व. श्री निर्भयाराम घोड़ेला

हम समस्त परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

धर्म पत्नी : श्रीमती चौसर देवी, पुत्र-पुत्रवधु : चेतन-भारती, सुनील-सरिता
पुत्री-दामाद : तारा-कल्याण सिंह कैकट्या, शोभा-अनिल जालवाल,
सुषमा-विनीत तारकसी पौत्र: शिवम, कार्तिक, पौत्री : गारगी, कनिष्का

फर्म :
■ मै. श्योजीराम निर्भयराम कुमावत
बिल्डिंग मैटेरियल एवं वाटर सप्लायर्स, फोन : 2707003
■ कार ट्रेक 9414245930
एस.बी. 116, मंगल मार्ग, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर।
निवास : एफ 167, गौतम मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
फोन : 9351715807

ना चिट्ठी ना कोई संदेश, ना जाने वो कौन सा देश जहाँ आप चले गए

35वीं पुण्यतिथि पर कोटिशः नमन
29 सितम्बर, 2021

स्व. श्री हनुमान लाल कुमावत
(बैंक ऑफ बड़ौदा)

जब भटकते हैं कभी रास्ता दिखाते हो।
निराश होते हैं कभी, हौंसला बढ़ाते हो।
आप बहुत-बहुत, याद आते हो।

धर्मपत्नी : केसर देवी (बैंक ऑफ बड़ौदा)
पुत्र-पुत्रवधु : श्रवण-कविता (क्षेत्रीय प्रबंधक राजस्थान, मुथूट हाउसिंग फाइनेन्स लि.)
भानुप्रताप-शारदा (वरिष्ठ प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा)
पुत्री-दामाद : मोनिका-अश्वनी कुमार
पौत्र-पौत्री : देवांश, विभांशु, आरव, विन्नी भोरोदिया
दोहिता : मान, दोहिती : खिलांशी

पता : प्लॉट नं. 21, गोविन्द नगर, डी.सी.एम.,
अजमेर रोड, जयपुर मो. 9829766200

अष्ठम पुण्यतिथि

26 सितम्बर, 2021

स्व. श्री अरुण कुमार खड़गटा

सुपुत्र स्व. श्री नारायण लाल

(कुमावत सामूहिक विवाह समिति के कर्मठ कार्यकर्ता एवं
मोती डूंगरी गणेश चतुर्थी मेला समिति के प्रमुख कार्यकर्ता)

हम समस्त परिजन आपको अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

माता : श्रीमती बसन्ती देवी, धर्मपत्नी, श्रीमती राधा देवी, जयकुमार-नीशा
(लधु भ्राता-भ्रात वधु) लव कुमार-मनीषा (पुत्र-पुत्रवधु) मोहनीश (पुत्र)
भाविका, ओशिका (भतीजी), प्रिंस खड़गटा (भतीजा)

निवास : खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर-302004
मो. 9660038439, 9929540538, 7023333776

पंचम पुण्यतिथि

23 सितम्बर, 2021

स्व. श्री बिरदीचन्द सिरोहिया
(ठेकेदार)

हम सभी परिवारजन आपको भाव भीनी
श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

पुत्र-पुत्रवधु : ताराचन्द-संतोष, घनश्याम-कान्ता
रामसिंह-सुनीता, जितेन्द्र-मोना
दामाद-पुत्रियां : स्व. श्री राम सिंह अनावड़िया-विमला देवी
मोहन प्रकाश देवत-पार्वती, महेन्द्र शंकर दादरवाल-मंजू देवी
पौत्री दामाद-पौत्रियां : दीनदयाल DD-मीनू, भानू प्रकाश-दिप्ती, निश्चल-अंजू
पौत्र : विनोद, रोबिन, माधव
पौत्रियाँ : रिद्दीमा, सिद्दीमा, कुनिका, प्रतिभा, नैन्सी

फर्म : मै. बिरदीचन्द कन्स्ट्रक्शन कं.
सिरोहिया भवन, मालपुरा गेट, सांगानेर, जयपुर-302029
मो. 9414203655

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) उत्तरी पूर्वी जोन राज. के चुनाव में

राजेश धुंधारिया

जिलाध्यक्ष, जयपुर शहर एवं

छोटूराम बडीवाल

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, सोडाला से

विजय होने पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

जयसिंह गुडीवाल
वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुमावत क्षत्रिय विकास समिति
बरकत नगर मो. 9461343432

खेमचंद खड़गटा
व्यवस्थापक मंडल सदस्य कुमावत इंडिया पत्रिका
मो. 9829140629

राकेश कुमावत
एडवोकेट, राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर
मो. 9829152561

43वाँ जन्मदिन
श्रीमती रेनू कुमावत
पत्नी चेतन धुंधारिया
30 सितम्बर, 2021

76वाँ जन्मदिन
हेमचन्द खड़गटा
30 सितम्बर, 2021

43वाँ जन्मदिन
पवन कुमावत (धुंधारिया)
1 अक्टूबर, 2021

72वाँ जन्मदिन
कस्तूरमल कुमावत
2 अक्टूबर, 2021

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु : कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट

85, अशोक विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302018
रजि. कार्यालय-2806, खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

स्व. विनोद बालोदिया
9829059312

चेतन बालोदिया
9414052736

सुनील बालोदिया
9928910068

रवि बालोदिया
9829436551

Raj Blocks
Since-1977
OFFSET PRINTERS

Nr. Sai Baba Temple, Choura Rasta, Jaipur
Mob: 9829059312, 9829436551
E-mail : rajblocks@yahoo.com

A COMPLETE PRINTING SOLUTION

• Books • Magazine • Brochures • Catalogue • Flex, Vinayle • Envelops • Letter Head
• Event Tickets • Certificates • Invitation Card • Menu Card • Poster • Calender
• Packazing Box • UV & Leaf with Special Effects

PRESS

B-81, Road No.4, Kartarpura Ind. Area, 22 Godown, Jaipur
Ph.: 0141-4022538 Mob: 9414052736 • 9928910068

राजेश धुंधारिया

जयपुर शहर अध्यक्ष

(भारतीय कुमावत क्षत्रिय
महासभा रजि. उत्तरी-पूर्वी जोन)

के चुनावों में विजयी बनाने के लिए जयपुर शहर के सभी
मतदाताओं एवं सहयोगकर्ताओं का हार्दिक आभार।

आभारकर्ता

राजेश धुंधारिया

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018